RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः10 , शुक्रवार, 20 फरवरी 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

दुर्घटनाओं पर सख्तीः संवेदनशील स्थलों पर ट्रैफिक पोस्ट, अवैध कट बंद करने के निर्देश 03

प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग कार्यशाला का आयोजनः नवाचार से संवरेगा छात्रों का भविष्य 04

फिल्म कैनेडी बदल देगी आपका करियर, सनी लियोन ने साझा किए... 07

विधानसभा स्पीकर समेत 42 विधायकों को 'हाई' नोटिस

बिहार में चुनावी हलफनामे में गलत जानकारी देने का आरोप

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में बड़ा कानूनी घटनाक्रम सामने आया है। पटना हाईकोर्ट ने पक्ष और विपक्ष के 42 विधायकों को नोटिस जारी किया है। इनमें विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार भी शामिल हैं। अदालत ने चुनावी हलफनामे में कथित गलत जानकारी और अनियमितता के आरोपों पर जवाब मांगा है। मामले को गंभीर मानते हुए कोर्ट ने निर्धारित समय में स्पष्टीकरण दाखिल करने का निर्देश दिया है।

इस फैसले से राज्य की सियासत में हलचल तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार, संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव हारने वाले प्रत्याशियों ने याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि विजयी उम्मीदवारों ने नामांकन के दौरान शपथपत्र में तथ्य छिपाए। कुछ मामलों में वोटिंग प्रक्रिया में अनियमितता का भी आरोप लगाया गया है। इन्हीं आरोपों के आधार पर हाईकोर्ट में चुनाव याचिकाएं दायर की गईं। अदालत ने सभी विधायकों को नोटिस जारी किया।

मोदी के दौरे से पहले भारत का इजरायल को झटका

वेस्ट बैंक पर नहीं दिया दोस्त का साथ, लताड़ भी लगाई

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। पीएम मोदी के इजरायल दौरे से ठीक पहले भारत ने संयुक्त राष्ट्र में वेस्ट बैंक पर इजरायल के कब्जे की कड़ी निंदा की है। भारत ने इजरायली कदमों को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया। जानिए इस कूटनीतिक कदम के मायने। इजरायल का सदाबहार दोस्त होने के बावजूद भारत ने उसके एक कदम की तीखी आलोचना की है। मामला फिलिस्तीन के वेस्ट बैंक से जुड़ा है जिस पर इजरायल कब्जा करता जा रहा है। अब भारत ने संयुक्त राष्ट्र में

एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक कदम उठाते हुए 100 से अधिक देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर वेस्ट बैंक पर इजरायल के नियंत्रण को मजबूत करने के प्रयासों की कड़े शब्दों में निंदा की है। यह घटनाक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगले सप्ताह होने वाली इजरायल यात्रा से ठीक पहले सामने आया है। भारत ने उस संयुक्त बयान का समर्थन किया है जिसमें वेस्ट बैंक में इजरायल की गतिविधियों को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया गया है। भारत ने बुधवार देर रात, समय सीमा समाप्त होने से ठीक पहले इस निंदा प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए। बयान में कहा गया है कि वेस्ट बैंक में इजरायल की उपस्थिति को बढ़ाने के फैसले के साथ भारत नहीं है।

राज्यसभा चुनाव में खेल बिगाड़ने के मूड में ओवैसी

● बिहार में एआईएमआईएम ने कर दिया उम्मीदवार उतारने का ऐलान

पटना (एजेंसी)। बिहार की 5 राज्यसभा सीटों पर चुनाव होने हैं। इसकी अधिसूचना भी जारी हो गई है। लेकिन इसी बीच चुनाव को लेकर दोनों गठबंधनों एनडीए और महागठबंधन का गणित उलझ गया है। बिहार में सीमांचल में दो विधानसभा चुनाव में लगातार अपनी ताकत दिखा चुकी एआईएमआईएम ने 5वीं सीट में पेच फंसा दिया है। बिहार एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष ने गुरुवार को साफ कहा कि उनकी पार्टी किसी को समर्थन देने के बजाय खुद अपना उम्मीदवार मैदान में उतारेगी। दरअसल, इस चुनाव में असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम बड़ी भूमिका में नजर आने वाली है। बिहार में एआईएमआईएम के पांच विधायक हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत करते हुए राज्यसभा चुनाव पर बात की। अख्तरुल ईमान ने कहा कि जो लोग इस फिरकापरस्त सरकार के खिलाफ लड़ना चाहते हैं, जो लोग दलितों के हित की रक्षा करना चाहते हैं, उन्हें असदुद्दीन ओवैसी के बाजुओं को मजबूत करना चाहिए। राज्यसभा चुनाव में समर्थन देने के प्रश्न पर एआईएमआईएम विधायक अख्तरुल ईमान भड़क गए। उन्होंने कहा, क्या मेरा जन्म समर्थन देने के लिए ही हुआ है। आप लोग यह क्यों नहीं बोलते कि मुझे समर्थन कौन देगा। इन लोगों के राज्यसभा में प्रतिनिधि हैं, राज्यसभा में हमारा कोई नहीं है। राज्यसभा में कई दलों का प्रतिनिधित्व है, लेकिन एआईएमआईएम का कोई सदस्य नहीं है। ऐसे में पार्टी अब अपनी मौजूदगी दर्ज कराना चाहती है। 243 सदस्यों वाली बिहार विधानसभा में एक उम्मीदवार को जीतने के लिए 41 विधायकों का समर्थन चाहिए। अभी एनडीए के पास कुल 202 विधायक हैं। इसके आधार पर, एनडीए आसानी से चार सीटें जीत सकता है। चार सीटें जीतने के बाद भी उसके पास कुछ वोट बचे हैं, लेकिन अगर मुकाबला होता है, तो पांचवीं सीट जीतने के लिए उसे अन्य विधायकों की जरूरत पड़ेगी।

विधायकों का फोन नहीं उठाया तो कमांड सेंटर से आएगा अलर्ट

यूपी सरकार ने शुरू किया संवाद सेतु एप, दूर होंगी एमएलए की शिकायतें

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में विधायकों का फोन न उठाने का मामला गरमा गया है। मामले को पिछले दिनों विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने जोर-शोर से उठाया था। कई भारतीय जनता पार्टी विधायक भी इस मामले को उठाते दिखे हैं। अधिकारियों के जनप्रतिनिधियों के अनादर का मुद्दा लगातार गहराता जा रहा है। इस बीच यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना का सख्त बयान सामने आया है। जन प्रतिनिधियों का सम्मान अधिकारियों को करने की बात उन्होंने कही है। वहीं, सरकार अब जन प्रतिनिधियों का फोन नहीं उठाने के मामले में एक नई व्यवस्था की तैयारी में है। विधायकों का फोन नहीं उठाने पर अब कमांड सेंटर अलर्ट देगा। माननीयों की शिकायत दूर करने के लिए संवाद सेतु एप का सहारा लिया जाएगा। विधायकों और जनप्रतिनिधियों के फोन न उठाना अब अधिकारियों को मुश्किल में डाल सकता है। अब लखनऊ से इस पर नजर रखी जाएगी। अगर किसी जनप्रतिनिधि ने अधिकारी को फोन किया तो उन्हें जवाब देना ही होगा। अगर वे किसी स्थान पर व्यस्त हैं तो 10 मिनट के भीतर कॉल बैक करना होगा।

भारत नई टेक्नोलॉजी बनाता है उसे तेजी से अपनाता भी है

● एआई इम्पैक्ट समिट में बोले पीएम मोदी, युवाओं को दी नसीहत ● पीएम मोदी ने समावेशी व 'सॉवरेन एआई' विजन पर दिया जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के भारत मंडपम में हो रहे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 को पीएम मोदी संबोधित कर रहे हैं। समावेशी और 'सॉवरेन एआई' के विजन पर भारत की प्राथमिकताओं को बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि युवा पीढ़ी तेजी से एआई को स्वीकार कर रही है। यंग टैलेंट का इसमें आना गर्व की बात है। एआई इम्पैक्ट समिट में अपने संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि भारत नई टेक्नोलॉजी बनाता और उसे तेजी से अपनाता भी है। उन्होंने भारत को टेक टैलेंट का केंद्र कहा, जो युवा आबादी का सबसे बड़ा देश भी है। एआई इम्पैक्ट समिट में पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा कि दुनिया के इस ऐतिहासिक एआई समिट में आप सभी का दिल से स्वागत है। 1.4 बिलियन भारतीयों की तरफ से, मैं आप सभी का स्वागत करता हूं। पीएम मोदी ने कहा, यह एआई समिट भारत में हो रहा है, जो इंसानियत का छठा हिस्सा है। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा युवा आबादी वाला देश है। यह सबसे बड़े टेक टैलेंट का सेंटर है और सबसे बड़े टेक्नोलॉजी इनेबलमेंट इकोसिस्टम में से एक है। उन्होंने कहा, कुछ लोगों को नई टेक्नोलॉजी पर शक है। लेकिन जिस तरह से युवा पीढ़ी एआई को अपना रही है, वह पहले कभी नहीं देखा गया। एआई समिट एग्जिबिशन को लेकर भी यहां जबरदस्त उत्साह देखा गया है। दुनिया के 100 से ज्यादा देशों का प्रतिनिधित्व, दुनिया के कोने-कोने से यहां आए महानुभाव इस समित की सफलता को नई ऊंचाई पर ले जा रहे हैं। इसमें युवा पीढ़ी की जो उपस्थिति हमने देखी है, वो बड़ी है।

एआई ने बदल दी विकास की रफ्तार

पीएम मोदी ने कहा, इंसानी इतिहास में कुछ ऐसे मोड़ आए हैं जिन्होंने पूरी सदियों को बदल दिया। इन मोड़ों ने सभ्यता की दिशा तय की और विकास की रफ्तार बदल दी। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस इतिहास में ऐसा ही एक बदलाव है। एआई मशीनों को इंटेलिजेंट बना रहा है। साथ ही, यह इंसानी काबिलियत को कई गुना बढ़ा रहा है। भविष्य में एआई बड़ा काम कर सकती है।

राफेल में फिट होंगी भारत में बनी हैमर मिसाइलें

70 किलोमीटर तक लगा सकती हैं अचूक निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बनने वाली हैमर मिसाइलों को राफेल लड़ाकू विमानों में फिट किया जाएगा। राफेल लड़ाकू विमानों का निर्माण भारत में होने जा रहा है। राफेल विमानों की सबसे बड़ी ताकत हैमर मिसाइलें हैं, जिनका निर्माण भी भारत इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड (बीईएल) की मदद से भारत में ही होगा। भारत के पास पहले से मौजूद लड़ाकू विमानों में भी हैमर मिसाइलें फिट हैं, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को तबाह किया था। हवा से सतह में मार करने वाली हैमर मिसाइलों के निर्माण को लेकर भारत और फ्रांस के बीच मंगलवार को समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं। इसके तहत फ्रांस की कंपनी सैफरान और बीईएल 50-50 फीसदी की भागीदारी में संयुक्त उपक्रम स्थापित कर हैमर मिसाइलों का निर्माण करेंगे। रूस के साथ ब्रह्मोस मिसाइलों के उत्पादन के बाद मिसाइल निर्माण को लेकर भारत का यह दूसरा संयुक्त उपक्रम है। राफेल लड़ाकू विमानों में हैमर मिसाइलों का इस्तेमाल होता है, जो उसे सटीक हमला करने में सक्षम बनाती हैं। ये मिसाइलें हवा में 70 किलोमीटर तक अचूक निशाना लगा सकती हैं। इसके कई संस्करण हैं, जिनकी क्षमता 150-1,000 किमी तक है।

फ्री में खाना, बिजली, साइकिल तो काम कौन करेगा

मुफ्त की योजनाओं पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, दी पुनर्विचार की राय

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सरकारों की ओर से फ्री की योजनाओं पर सख्ती दिखाई है। सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त सुविधाएं देने की संस्कृति की कड़ी आलोचना करते हुए गुरुवार को कहा कि देश के आर्थिक विकास में बाधा डालने वाली ऐसी नीतियों पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है। हर किसी को फ्री में बिजली देने से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि राज्य गरीबों की मदद करते हैं तो यह बात पूरी तरह से समझ में आती है। तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने एक याचिका दायर कर उपभोक्ताओं की वित्तीय स्थिति पर गौर किए बिना हर किसी को निःशुल्क बिजली प्रदान करने का प्रस्ताव दिया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची, जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि अधिकतर राज्यों का राजस्व घाटे में हैं लेकिन वे विकास की अनदेखी करते हुए इस तरह की मुफ्त सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं।

देश के आर्थिक विकास में पैदा होती है बाधा – सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस तरह की मुफ्त सुविधाएं देने से देश के आर्थिक विकास में बाधा पैदा होती है और राज्यों को सभी को मुफ्त भोजन, साइकिल और बिजली देने के बजाय रोजगार के अवसर खोलने के लिए काम करना चाहिए। हालांकि, कोर्ट ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम सरकार के नेतृत्व वाली बिजली वितरण कंपनी की मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखने वाली याचिका पर केंद्र और अन्य को नोटिस जारी किया। बिजली वितरण कंपनी ने विद्युत संशोधन नियम, 2024 के एक नियम को चुनौती दी है। पीठ ने पूछा कि बिजली शुल्क अधिसूचित होने के बाद तमिलनाडु की कंपनी ने अचानक जेब ढीली करने का फैसला क्यों किया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा राज्यों को रोजगार के रास्ते खोलने के लिए काम करना चाहिए। अगर आप सुबह से शाम तक मुफ्त भोजन देना शुरू कर देंगे, फिर मुफ्त साइकिल, मुफ्त बिजली देंगे, तो कौन काम करेगा और फिर कार्य संस्कृति का क्या होगा। पीठ ने कहा कि राज्य विकास परियोजनाओं पर खर्च करने के बजाय दो काम करते हैं- वेतन देना और इस तरह की मुफ्त सुविधाएं बांटना। सुप्रीम कोर्ट तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन की याचिका पर सुनवाई कर रहा था। कंपनी ने 2024 के विद्युत संशोधन नियमों के नियम 23 को चुनौती दी है। इसमें उपभोक्ताओं की आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना सभी को मुफ्त बिजली देने का प्रस्ताव है। राज्य सरकार घरेलू उपभोक्ताओं को हर दो-महीने में लगभग 100 यूनिट तक मुफ्त बिजली देती है।

कनाडा ने 2025 में 2,800 भारतीयों को निकाला

● 6500 भारतीय को निकालने की तैयारी, बनाया प्लान ● शरणार्थी नियमों का पालन नहीं करने पर की कार्रवाई

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा सरकार ने 2025 के पहले 10 महीनों में 2,831 भारतीय नागरिकों को देश से बाहर निकाला है। ये जानकारी कनाडा की कैनेडियन बॉर्डर सर्विसेज एजेंसी के आंकड़ों से सामने आई है। इसके मुताबिक पिछले साल कुल 18,785 लोगों को कनाडा से निकाला गया, जिनमें भारतीय दूसरे नंबर पर हैं। सबसे ज्यादा 3,972 लोग मेक्सिको के थे। इतना ही नहीं, अभी 29,542 लोगों को निकालने की प्रक्रिया चल रही है, जिनमें 6,515 भारतीय भी शामिल हैं। यानी आने वाले समय में और भारतीयों पर भी कार्रवाई हो सकती है। कनाडा सरकार ने बताया है कि जिन लोगों को निकाला गया, उनमें से कई पर क्रिमिनल मामले थे। लेकिन बड़ी संख्या उन लोगों की भी थी जिन्होंने शरणार्थी दावे से जुड़े नियमों का सही तरीके से पालन नहीं किया। कनाडा में किसी को बाहर करने के तीन तरीके होते हैं- डिपार्चर ऑर्डर, एक्सक्लूजन ऑर्डर और डिपोर्टेशन ऑर्डर। कुछ लोगों को 30 दिन के अंदर देश छोड़ने का आदेश दिया जाता है। अगर वे नहीं जाते तो उन पर कड़ी कार्रवाई होती है। कुछ मामलों में एक साल या पांच साल तक दोबारा कनाडा आने पर रोक लगती है। वहीं डिपोर्टेशन ऑर्डर में बिना खास अनुमति के दोबारा एंट्री नहीं मिलती। डिपार्चर ऑर्डर- इसमें जिस इंसान पर आदेश लागू होता है उसे 30 दिनों के अंदर कनाडा छोड़ना होता है। अगर वो समय पर नहीं जाता, तो यह आदेश डिपोर्टेशन ऑर्डर में बदल जाता है। कनाडा में इमिग्रेशन इस समय बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना हुआ है। पिछले साल चुनाव के दौरान भी यही सबसे अहम मुद्दा था और अब भी सरकार और विपक्ष के बीच इसी पर बहस चल रही है। मुकाबला मुख्य रूप से लिबरल पार्टी और कंजर्वेटिव पार्टी के बीच है। लिबरल पार्टी के नेता पीएम मार्क कार्नी का कहना है कि इमिग्रेशन सिस्टम में सुधार की जरूरत है। उनका कहना है कि जब तक घरों की कमी की समस्या ठीक नहीं होती, तब तक इमिग्रेशन की संख्या बढ़ेगी।

कनाडा में हर चौथा व्यक्ति विदेशी मूल का

कनाडा दुनिया के उन देशों में है जहाँ प्रवासियों (इमिग्रेंट) की संख्या तेजी से बढ़ी है। 2021 की आधिकारिक जनगणना के मुताबिक, कनाडा में लगभग 83.6 लाख (8.3 मिलियन) लोग विदेश में जन्मे हैं, जो देश की कुल आबादी का करीब 23 फीसदी है। यह आंकड़ा स्टैटिस्टिक्स कनाडा ने जारी किया है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि कनाडा की अर्थव्यवस्था और जनसंख्या वृद्धि में प्रवासियों का खास रोल रही है, लेकिन हाल के सालों में इस मुद्दे पर बहस भी तेज हुई है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, कनाडा में भारतीय मूल के लगभग 13 लाख (1.3 मिलियन) लोग रहते हैं। वहीं करीब 3 लाख लोग पाकिस्तानी मूल के हैं।

पाकिस्तान में गैस रिसाव से हो गया बड़ा धमाका

कराची में इमारत गिरने से 16 लोगों की मौत, 14 घायल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के कराची में गुरुवार को एक अपार्टमेंट में गैस विस्फोट के बाद इमारत का एक हिस्सा गिरने से महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई और 14 लोग घायल बताए जा रहे हैं। पाकिस्तान के कराची में गुरुवार को एक अपार्टमेंट में गैस रिसाव के कारण हुए विस्फोट से इमारत का एक हिस्सा ढह गया, जिसमें महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई और 14 लोग घायल हो गए। स्थानीय पुलिस प्रमुख रिजवान पटेल ने बताया कि यह विस्फोट सिंध प्रांत की राजधानी कराची के एक आवासीय इलाके में हुआ। उन्होंने कहा कि बचावकर्मी अभी भी मलबा हटाकर यह पता लगाने में जुटे हैं कि क्या कोई व्यक्ति मलबे में फंसा हुआ है। बताया गया कि गुरुवार सुबह एक आवासीय इमारत में संदिग्ध गैस रिसाव के कारण विस्फोट हुआ, जिसमें कई बच्चों सहित कम से कम 16 लोग मारे गए और 14 अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारी जमशेद अशरफ ने बताया कि विस्फोट सुबह करीब 4.30 बजे ओल्ड सोल्जर बाजार इलाके में स्थित इमारत की पहली मंजिल पर हुआ, जब लोग सहरी (सुबह का नाश्ता) के लिए जाग रहे थे। गौरतलब है कि पाकिस्तान में आज रमजान का पहला दिन मनाया जा रहा है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि विस्फोट का कारण संभवतः गैस रिसाव था।

संक्षिप्त समाचार

रैयतों को मुआवजा भुगतान प्रमाण पत्र वितरित

बीएनएम @ मोतिहारी। जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अरुण कुमार द्वारा भारत-नेपाल सीमा पथ परियोजना के अंतर्गत मौजा बलुआ टोला गुआबारी में अधिग्रहित भूमि के मुआवजा भुगतान से संबंधित रैयतों को भुगतान प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।इस अवसर पर संबंधित रैयत बिन्देश्वरी साह, सगीरा ख़ातून एवं अन्य रैयतों को विधिवत भुगतान प्रमाण पत्र वितरित किया गया। जिला भू-अर्जन पदाधिकारी श्री कुमार ने सभी संबंधित रैयतों से अनुरोध किया है कि वे मुआवजा भुगतान से संबंधित आवश्यक दस्तावेज यथाशीघ्र अंचल कार्यालय/भू-अर्जन कार्यालय में जमा करें, ताकि मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण किया जा सके। प्रशासन द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि दस्तावेजों के समय पर जमा होने से भुगतान प्रक्रिया में किसी प्रकार की अनावश्यक विलंब नहीं होगा।

उत्पाद पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 180 लीटर अवैध शराब बरामद

बीएनएम @ अरेराज। शराब तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत उत्पाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 180 लीटर अवैध चुलाई शराब बरामद की है। छापेमारी के दौरान एक तस्कर को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई थाना अध्यक्ष सह इंस्पेक्टर अरविंद कुमार के निर्देश पर गुप्त सूचना के आधार पर की गई। सूचना मिलते ही एसआई उत्पल कुमार और अजीत कुमार सिंह पुलिस बल के साथ संग्रामपुर स्थित जनता चौक के पास पहुंचे और इलाके की घेराबंदी कर सघन तलाशी अभियान चलाया। तलाशी के दौरान पुलिस ने मौके से 180 लीटर अवैध चुलाई शराब बरामद की। शराब को जब्त करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध मद्यनिषेध कानून के तहत आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मोतिहारी में संगठित बाइक चोर गिरोह का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। नगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बाइक चोरी करने वाले एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने जेल गेट के समीप छापेमारी कर एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान आदर्श कुमार (पिता– राधालाल साह), निवासी बिजूलपुर, थाना तुरकौलिया, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि वह अपने साथियों के साथ मास्टर चाबी के जरिए शहर और आसपास के जिलों से मोटरसाइकिल चोरी करता था। चोरी की बाइकों के फर्जी कागजात तैयार कर उन्हें नेपाल में बेच दिया जाता था। गिरोह के सदस्य आपसी संपर्क के लिए नेपाली सिम कार्ड का उपयोग करते थे। आरोपी की निशानदेही पर जानपुल स्थित एक किराये के कमरे में छापेमारी की गई, जहां से पुलिस ने नौ मास्टर चाबियां, आठ मोबाइल फोन, विभिन्न बैंकों के एटीएम कार्ड, एक पैन कार्ड, नेपाली व विदेशी मुद्रा, दो मेमोरी कार्ड, 3000 रुपये नकद, बड़ी संख्या में भारतीय और नेपाली सिम कार्ड तथा एक बाइक (BR-05BB-8811) बरामद की। नगर थानाध्यक्ष राजीव कुमार ने बताया कि आरोपी से पूछताछ के आधार पर गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान की जा रही है। उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। उन्होंने कहा कि वाहन चोरी के मामलों पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी और आम लोगों से संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से साइकिल सवार की मौत, दो युवक फरार

बीएनएम @ तुरकौलिया। सपही से मोतिहारी जाने वाली सड़क पर कोदरवाघाट पुल के आगे रामवन के समीप शुक्रवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में साइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान सपही वृतियां गांव वार्ड संख्या 3 निवासी 45 वर्षीय मोनाफ मियां के रूप में हुई है। बताया जाता है कि वह एक अन्य व्यक्ति के साथ मजदूरी कर साइकिल से मोतिहारी से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान सपही से चैलाहा की ओर जा रहे तेज रफ्तार बाइक सवार ने साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में मोनाफ मियां की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि उनके साथ साइकिल पर सवार दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद बाइक सवार दोनों युवक अपनी बाइक छोड़कर फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने ब्लू रंग की ग्लैमर बाइक को कब्जे में लेकर पुलिस के हवाले कर दिया। बताया जा रहा है कि बाइक सवार चैलाहा कुड़िया गांव के निवासी हैं। रघुनाथपुर थाना की थानाध्यक्ष अलका कुमारी ने बताया कि घटनास्थल से बाइक जब्त कर थाना लाया गया है। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मृतक अपने पीछे एक पुत्र और एक पुत्री छोड़ गए हैं। वे मेहनत-मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। इस हादसे के बाद परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

तुरकौलिया में 84 ग्राम गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ तुरकौलिया। पुलिस ने मादक पदार्थ के खिलाफ अभियान चलाते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में जयसिंहपुर बेलघट्टी निवासी ललन दास तथा नरियरवा निवासी शंकर पंडित शामिल हैं। पुलिस के अनुसार एसआई रामसेवक सिंह के स्वयं के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि महानवा बाजार और नरियरवा मठ के आसपास दो व्यक्ति मादक पदार्थ की तस्करी कर रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने महानवा बाजार के समीप छापेमारी की, जहां से ललन दास को पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 40 ग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस टीम नरियरवा मठ के पास पहुंची। पुलिस को देखते ही एक व्यक्ति भागने लगा, जिसे खदेड़कर पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उसके कुर्ते की जेब से 44 ग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद हुआ। थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि दोनों आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

छापेमारी में देशी कट्टा व कारतूस बरामद, एक गिरफ्तार

बीएनएम @ तुरकौलिया। रघुनाथपुर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बालगंगा गांव निवासी रमेश राम को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष अलका कुमारी ने बताया कि सूचना मिली थी कि रमेश राम अपने घर में हथियार छिपाकर रखा है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने छापेमारी की। तलाशी के दौरान उसके घर से एक देशी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस तथा 10 खोखा बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार रमेश राम पूर्व में जमीन खरीद-बिक्री से जुड़े एक गिरोह में मुंशी के रूप में कार्य करता था। उससे पूछताछ की जा रही है कि उसने हथियार कहां से और किस उद्देश्य से लिया था तथा किन-किन लोगों से उसका संपर्क है।

पटना में रिटायर्ड आर्मी मैन की 3 गोली मारकर हत्या

एजेंसी, पटना

♦ गोपालपुर में जमीन पर बाउंड्री वॉल कराते वक्त किया शूट, जमीन विवाद का मामला

पटना के गोपालपुर थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े एक सेवानिवृत्त आर्मी मैन की 3 गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना मानपुर बैरिया इलाके में हुई, जहां जमीन नापते समय उन्हें गोली मारी गई है। उनको गंभीर हालत में उन्हें निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक की पहचान अशोक नगर निवासी तेजनंदन राय (45) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, इस घटना के पीछे आपसी जमीन विवाद बताया जा रहा है। आरोपी की पहचान चोखा राय के नाती विकास कुमार के रूप में हुई है।

जमीन पर नापी करवाकर बाउंड्री वॉल बनवा रहे थे: सदर पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी (2) रंजन कुमार ने बताया कि तेजनंदन राय सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद ओडिशा में एक कंपनी में कार्यरत थे। उन्होंने साल 2005 में गोपालपुर बैरिया में चोखा राय से एक जमीन खरीदी थी। इसी जमीन पर चोखा राय का नाती विकास कुमार अपना दावा कर रहा था। गुरुवार को तेजनंदन राय उसी जमीन पर नापी करवाकर बाउंड्री वॉल बनवा रहे थे। इसी दौरान विकास कुमार मौके पर पहुंचा और तेजनंदन राय पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। पुलिस ने घटनास्थल से गोली के तीन खोखे बरामद किए हैं।

पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है: पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी रंजन कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि विकास ने तेजनंदन राय पर तीन गोलियां चलाई थीं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपी विकास कुमार की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। सूचना पाकर मौके पर सिटी एसपी पूर्वी परिचय कुमार, सदर डीएसपी 2 रंजन कुमार दलबल के साथ पहुंचे हैं।

'विदेशी चीजों को अपना बताना चिंता का विषय'

एजेंसी, पटना

❐ गलगोटिया यूनिवर्सिटी विवाद पर चिराग पासवान बोले, नीट छात्रा रेप-मौत केस पर कहा- परिवार को सुरक्षा मिलनी चाहिए

एआई समिट में गलगोटिया यूनिवर्सिटी से जुड़े मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा, दूसरे देशों की चीजों को अपना बताकर पेश किया जाना गंभीर और चिंता का विषय है। इससे देश की अंतरराष्ट्रीय छवि प्रभावित होती है'। 'देश में इस समय एआई समिट चल रहा है और उसके समापन के बाद सरकार इस मामले की पूरी समीक्षा करेगी। समिट खत्म होने के बाद तथ्यों के आधार पर जो भी आवश्यक कार्रवाई होगी, वह सरकार तय करेगी'।

देश की छवि पर पड़ सकता है असर: चिराग पासवान ने कहा कि भारत तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में यदि किसी संस्थान द्वारा विदेशी तकनीक या सामग्री को अपना बताकर प्रस्तुत किया जाता है, तो यह न केवल भ्रामक है बल्कि इससे देश की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े हो सकते हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यदि जांच में कोई गड़बड़ी सामने आती है, तो संबंधित पक्षों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है।

जहानाबाद की रहने वाली नीट की तैयारी कर रही छात्रा की मौत के मामले में परिवार को कथित धमकी मिलने के मुद्दा पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि परिवार की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि पीड़ित परिवार को हर संभव सुरक्षा मिले और इस तरह की कोई भी दुर्भाग्यपूर्ण घटना दोबारा न हो।

हत्या के प्रयास मामले में चार गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजे गए

बीएनएम @ अरेराज

अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत मलाही थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक गंभीर मामले में कार्रवाई करते हुए चार नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यह कार्रवाई मलाही थाना कांड संख्या 80/25 एवं 81/25, दिनांक 01 मार्च 2025, भारतीय दंड संहिता की धारा 109 (हत्या के प्रयास से संबंधित प्रावधान) के तहत की गई। पुलिस के अनुसार घटना के बाद से ही आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही थी। थाना प्रभारी सुमन भारती के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पचरुखिया गांव में सघन अभियान चलाया। इस दौरान रघुनाथ साह, परमा साह, महेंद्र साह एवं कृष्णा साह को गिरफ्तार किया गया। सभी अभियुक्त ग्राम पचरुखिया, थाना मलाही के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने बताया कि मामले में इनकी संलिप्तता सामने आने के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई थी। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं। अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। थाना प्रभारी सुमन भारती ने कहा कि क्षेत्र में फरार अभियुक्तों और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस सतर्क है और अपराध में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद चारों अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

समकालीन अभियान में 11 वारंटी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजे गए

बीएनएम @ हरसिद्धि

समकालीन अभियान के तहत हरसिद्धि थाना पुलिस ने विभिन्न गांवों में छापेमारी कर अलग-अलग मामलों के 11 वारंटियों को गिरफ्तार किया है। परीक्ष्यमान डीएसपी सह थानाध्यक्ष ऋषभ कुमार ने बताया कि फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया गया। पानापुर जोगिया, घोघराहां बैरिया, कृतपुर, गोविंदापुर, घीउवाढार, बनछीहुली, भादा और रामपुरवा सहित कई गांवों में पुलिस टीम ने सघन छापेमारी की। गिरफ्तार वारंटियों में पानापुर जोगिया निवासी राजकिशोर सिंह, घोघराहां बैरिया निवासी संतोष कुमार, कृतपुर निवासी नागेश्वर यादव, गोविंदापुर निवासी राजेश महतो व रामनरेश महतो, घीउवाढार निवासी उमेश पासवान, बनछीहुली निवासी मोतीलाल सिंह, गोविंदापुर निवासी सुनील प्रसाद विजय साह, भादा निवासी केदार मिश्र तथा रामपुरवा निवासी रघुनाथ महतो शामिल हैं। ऋषभ कुमार ने कहा कि थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है। फरार आरोपितों और वारंटियों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। आवश्यक पूछताछ के बाद सभी गिरफ्तार आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

नीट छात्रा केसः सीबीआई खंगाल रही भाई का मोबाइल

एजेंसी, पटना/जहानाबाद

♦ दरोगा से भी पूछताछ, दुष्कर्म हुआ या सहमति से संबंध बने, इसकी भी एजेंसी कर रही जांच

NEET छात्रा रेप-मौत मामले में CBI की टीम ने जांच शुरू कर दी है। CBI की टीम SIT, थाने की SI, छात्रा के परिवार वालों से पूछताछ कर चुकी है। गुरुवार को CBI ने कदमकुआं थाना के निलंबित सब इंस्पेक्टर हेमंत झा को दफ्तर बुलाकर करीब 30 मिनट तक पूछताछ की। दरअसल, जब छात्रा प्रभात मेमोरियल हॉस्पिटल में एडमिट थी। 6 जनवरी को ही इन्हें हॉस्पिटल की तरफ से मामले की जानकारी दी गई थी। शुरुआत में इन्होंने लापरवाही बरती थी। जब बाद में मामला तूल पकड़ने लगा तब इन्होंने परिवार का फर्द बयान दर्ज किया था। जिसके बाद चित्रगुप्त नगर थाना में FIR दर्ज हुई थी। लापरवाही बरतने के कारण ही पटना के एसएसपी ने हेमंत झा को सस्पेंड कर दिया था।

भाई के मोबाइल को अहम सुराग मान रही CBI: छात्रा के भाई का मोबाइल पान की दुकान पर मिला था।यह अब जांच का अहम सुराग बन गया है। एक अज्ञात व्यक्ति ने दुकानदार को मोबाइल देकर कहा था कि कोई लेने आएगा। दस मिनट बाद स्कॉर्पियो से पांच लोग पहुंचे और मोबाइल ले गए। दुकानदार ने बताया कि वह व्यक्ति का नाम नहीं जानता, पर पहचान सकता है। इसी कड़ी को जोड़ते हुए सीबीआई ने जांच तेज कर दी है। पान दुकानदार ने सीबीआई की टीम को बताया कि एक व्यक्ति ने मोबाइल देकर कहा, कोई लेने आएगा। मैं उसका नाम नहीं जानता, पर पहचान सकता हूं। दस मिनट बाद स्कॉर्पियो से पांच लोग पहुंचे। मोबाइल लेकर चले गए।

भाई के मोबाइल का CDR खंगाल रही CBI: छात्रा के भाई के मोबाइल का सीडीआर खंगाला जा रहा है। उसे भी पटना बुलाया जा सकता है। एसआईटी की रिपोर्ट और बयान सीबीआई को सौंपे गए हैं। 5 जनवरी को छात्रा अकेले जहानाबाद से पटना लौटी थी। वह ट्रेन से पटना जंक्शन पहुंची। करबिगहिया छोर से बाहर निकली। ई-रिक्शा से हॉस्टल के पास उतरी। वहां से पैदल हॉस्टल गई। सीबीआई टीम ने इसी क्रम में सीन रीक्रिएट किया।

धमकी भरे लेटर के बाद एफएसएल जांच: धमकी भरे दो लेटर मिलने के बाद बुधवार को बिहार पुलिस की FSL की टीम जहानाबाद में पीड़ित परिवार के घर पहुंची थी। करीब डेढ़ घंटे तक टीम वहां रही। इस दौरान कई पॉइंट्स पर जांच किए गए। कई जगहों से FSL की टीम ने सैंपल कलेक्ट किए। घर के दरवाजों और खिड़की तक के साइज नापे गए। दरअसल, सादे कागज पर लिख कर पीड़ित परिवार को दो बार धमकी भेजी गई। दोनों के बीच महज 48 घंटे का ही अंतर है।

धमकी देने वाले शख्स ने लेटर में लिखा पहले बेटी गई। नहीं मानोगे तो अब बेटा भी जाएगा। अब सवाल उठता है कि क्या धमकी भरे पत्र को किसी एक ही इंसान ने लिखा है? इसका जवाब जानने के लिए FSL की टीम दोनों कागजों के लिखावट की जांच कर रही है। दूसरी तरफ धमकी मिलने के बाद से पीड़ित परिवार की सुरक्षा जहानाबाद पुलिस की ओर से की जा रही है। वहीं, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा, 'परिवार की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि पीड़ित परिवार को हर संभव सुरक्षा मिले और इस तरह की कोई भी दुर्भाग्यपूर्ण घटना दोबारा न हो।

पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव, उम्मीदवार को हिरासत में लिया

एजेंसी, पटना

पटना यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया बुधवार को समाप्त हो गई। आज नॉमिनेशन पेपर की स्क्रूटनी होगी और शाम 5 बजे कैंडिडेट का लिस्ट जारी कर दिया जाएगा। सेंट्रल पैनल के पांच पद के लिए कुल 51 और काउंसलर के 22 पदों के लिए कुल 54 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र भरा है। अध्यक्ष पद के लिए 16 उम्मीदवार मैदान में हैं। वहीं, महासचिव के लिए 9, उपाध्यक्ष के लिए 9, संयुक्त सचिव के लिए 4 और कोषाध्यक्ष पद के लिए 9 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया है।

सभी प्राप्त नॉमिनेशन पेपर की जांच 19 फरवरी को जांच समिति करेगी। इसके बाद स्वीकृत और अस्वीकृत अभ्यर्थियों की सूची जारी की जाएगी। यदि कोई उम्मीदवार जांच परिणाम से संतुष्ट नहीं होता है, तो वह 20 फरवरी को दोपहर 1 बजे तक उच्च अपीलीय प्राधिकार के समक्ष आपत्ति दर्ज करा सकता है। उम्मीदवार 21 फरवरी तक अपना नामांकन वापस ले सकते हैं। अंतिम रूप से योग्य उम्मीदवारों की सूची 21 फरवरी को यूनिवर्सिटी द्वारा प्रकाशित की जाएगी। वहीं, दूसरी तरफ पटना विमेंस कॉलेज के बाहर छात्र को पुलिस ने हिरासत में लिया है। ABVP से टिकट नहीं मिलने के कारण अंचल कुमार के समर्थकों ने अभविप के कार्यालय में हंगामा किया था। अंचल कुमार और उसके समर्थकों ने बोला हमने नामांकन भर दिया फिर पार्टी ने किसी और लड़की को टिकट क्यों दिया। जिसके बाद हमारे समर्थकों ने कार्यालय जाकर इसका विरोध किया।

सरकारी अस्पतालों में 8 हजार पार मरीजों का आंकड़ा

एजेंसी, पटना

मौसम में बदलाव होने लगा है। सुबह-रात ठंड और दोपहर में गर्माहट है। इस कारण सीजनल बीमारी बढ़ गई है। पटना के प्रमुख सरकारी अस्पतालों में मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। IGIMS, PMCH और AIIMS पटना जैसे बड़े अस्पतालों में भारी भीड़ देखी गई, जहां बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंचे। आंकड़ों के अनुसार, बुधवार को IGIMS की ओपीडी में 4339 मरीज पहुंचे, जबकि PMCH की ओपीडी में 1930 और एम्स पटना में 2870 मरीजों ने इलाज कराया। ओपीडी खुलने के साथ ही रजिस्ट्रेशन काउंटर से लेकर डॉक्टरों के कक्षों तक लंबी कतारें लग गईं। मरीजों और उनके परिजनों को घंटों इंतजार करना पड़ा।

आईजीआईएमएस के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनीष मंडल ने बताया कि मौसम में अचानक आए बदलाव के कारण सर्दी, बुखार, जुकाम, शरीर दर्द, खांसी और सांस लेने में तकलीफ जैसी बीमारियों के मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है। जहानाबाद के ग्रामीण क्षेत्र से आए 60 वर्षीय शिवनाथ यादव सुबह आईजीआईएमएस पहुंचे। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और टोकन की प्रक्रिया समझ नहीं आने के कारण काफी देर तक भटकते रहे। किसी तरह पर्ची बनवाने के बाद भी डेढ़ से 2 घंटे तक ओपीडी चैंबर के बाहर इंतजार करना पड़ा।

बिहार में 100 पिंक बसें महिलाओं के लिए चल रहीं

एजेंसी, पटना

❐ 7 महिला ड्राइवरों को मिला लाइसेंस-प्रमाण पत्र, होली से पहले 149 नई बसें खरीदेगी सरकार

परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि सड़क सुरक्षा अभियान का समापन समारोह आज अधिवेशन भवन में आयोजित किया गया। इस दौरान सड़क सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण और यात्री सुविधा को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गईं। मंत्री ने बताया कि राज्य में अगले एक महीने तक विभिन्न जिलों में सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। आगे कहा, राज्य में फिलहाल 100 पिंक बसें चलाई जा रही हैं, जिनमें महिला ड्राइवर और महिला कंडक्टर तैनात हैं। इनमें केवल महिलाएं ही सफर कर सकती हैं। महिला सशक्तिकरण के तहत आज 7 महिला ड्राइवरों को ड्राइविंग लाइसेंस और प्रमाणपत्र दिया गया है। आज से ही उन्हें बसों का परिचालन सौंप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य को अभी लगभग 250 महिला ड्राइवरों की जरूरत है। औरंगाबाद में प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा है और महीने के अंत तक 21 नई महिला ड्राइवर उपलब्ध होंगी।

अवैध डीजे वाहनों पर सख्ती, होली से पहले नई बसें: होली से पहले 149 नई बसें खरीदी जा रही हैं, जिनमें 75 एसी बसें शामिल हैं, ताकि त्योहार के दौरान यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिल सके। मंत्री ने स्पष्ट किया कि अवैध रूप से डीजे गाड़ियां चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं होली को देखते हुए सरकार ने पहले से व्यवस्था शुरू कर दी है।

800 स्कूलों में चला अवेयरनेस अभियान: मंत्री ने जानकारी दी कि अब तक 800 सरकारी और गैर-सरकारी स्कूलों में रोड सेफ्टी अवेयरनेस कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। इन कार्यक्रमों में बच्चों को ट्रैफिक नियमों, हेलमेट और सीट बेल्ट के महत्व और सुरक्षित सड़क व्यवहार के बारे में विस्तार से बताया गया। सरकार का उद्देश्य है कि कम उम्र से ही बच्चों में सड़क सुरक्षा की समझ विकसित हो।

दुर्घटना पीड़ितों के लिए नई सहायता योजना: मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से बड़ा फैसला लिया गया है। पहले एक्सप्रेस वे और हाईवे पर दुर्घटना होने पर ही सहायता राशि दी जाती थी, लेकिन अब किसी भी सड़क पर दुर्घटना होने की स्थिति में घायल व्यक्ति को इलाज के लिए डेढ़ लाख रुपये तक की सहायता दी जाएगी। साथ ही, दुर्घटना में घायल व्यक्ति की जान बचाकर अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इस कदम का उद्देश्य 'गुड सेमेरिटन' को बढ़ावा देना और समय पर इलाज सुनिश्चित करना है।

संक्षिप्त समाचार

तीनों जिलों में समकालीन अभियानः 711 गिरफ्तार, 622 अभियुक्त जेल भेजे गए

बीएनएम @ मोतिहारी/बेतिया/बगहा। पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर 17 व 18 फरवरी 2026 को मोतिहारी, बेतिया एवं बगहा जिलों में एक साथ विशेष समकालीन अभियान चलाया गया। दो दिनों तक चले इस व्यापक अभियान में तीनों जिलों से कुल 711 गिरफ्तारियां की गईं। इनमें 375 गिरफ्तारी कांडों में तथा 336 गिरफ्तारी वारंट के निष्पादन के तहत हुई। अभियान के दौरान कुल 622 अभियुक्तों को जेल भेजा गया, जिनमें कांड के 339 और वारंट के 283 अभियुक्त शामिल हैं। इसके अलावा तीनों जिलों में 197 इस्तेहारों का तामिला कराया गया तथा 7 मामलों में कुर्की की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के क्रम में भारी मात्रा में मादक पदार्थ और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। जब्त सामग्री में 110.132 किलोग्राम गांजा, 5.63 ग्राम ब्राउन शुगर, 384 नशीली टैबलेट, 4 बोतल नशीला सिरप, 64 पीस डोडा, 23 पीस चिलम, 1270.4 लीटर देशी शराब तथा 268.9 लीटर विदेशी शराब शामिल है। इसके अतिरिक्त एक देशी कट्टा, एक देशी पिस्टल, 12 चोरी की मोटरसाइकिल, 2 मोबाइल फोन, 7 बंडल लॉटरी टिकट, 50 अल्ट्रा थिन पेपर, एक मोटर तथा कुल 7,54,370 रुपये नकद बरामद किए गए। जिला वार कार्रवाई में मोतिहारी में 439 गिरफ्तारी (कांड में 270 व वारंट में 169) की गई, जिनमें 384 अभियुक्तों को जेल भेजा गया। बेतिया में 170 गिरफ्तारी (69 कांड, 101 वारंट) हुई, जिनमें 163 अभियुक्त जेल भेजे गए। बगहा में 102 गिरफ्तारी (36 कांड, 66 वारंट) दर्ज की गई, जिनमें 75 अभियुक्तों को जेल भेजा गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अपराध नियंत्रण, वारंट निष्पादन तथा नशा कारोबार पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से आगे भी इस तरह के अभियान लगातार जारी रहेंगे।

अनुमंडल पदाधिकारी ने किया माध्यमिक वार्षिक परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी। गुरुवार को अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार द्वारा माध्यमिक वार्षिक परीक्षा के मद्देनजर विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों की उपस्थिति की जांच की। साथ ही प्रत्येक कक्ष में जाकर परीक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। अनुमंडल पदाधिकारी ने परीक्षा के सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन के लिए केंद्राधीक्षकों की सराहना भी की।

सड़क हादसे में पैक्स अध्यक्ष के पिता की मौत, आरोपी बाइक चालक हिरासत में

बीएनएम @ मोतिहारी। हरसिद्धि थाना क्षेत्र के भादा गांव में हुए सड़क हादसे में पैक्स अध्यक्ष मंटू तिवारी के पिता कृष्णनंदन तिवारी की उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना से पूरे इलाके में शोक व्याप्त है। बताया जाता है कि जागापाकड़ के पास एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवार ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों की मदद से पूर्व सरपंच अखिलेश शुक्ला ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के क्रम में उनकी मृत्यु हो गई। हरसिद्धि थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल चालक विकास कुमार (पिता– अच्छेलाल साह), निवासी टाली विशनपुरा, को उसकी स्प्लेंडर बाइक के साथ हिरासत में ले लिया है। पुलिस के अनुसार परिजनों के आवेदन के बाद प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

अरेराज शपथपत्र मामला : अनुमंडल पदाधिकारी के जांच आश्वासन के बाद कार्यालय कर्मियों व अधिवक्ताओं में हड़कंप

सागर सूरज

मोतिहारी/अरेराज। पूर्वी चंपारण जिले के अरेराज अनुमंडल कार्यालय में शपथपत्र जारी करने की प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, पूर्वी चंपारण के समक्ष एक परिवाद दायर किया गया है।

बिना शपथ कर्ता के कोर्ट गए मजिस्ट्रेशट द्वारा शपथ करवाया जाता है और शपथ पत्र के फोटो का सत्यापन भी नहीं करवाये जाने और पार्टी की जगह अधिवक्ता को शपथ पत्र हस्तगत करवाने जैसे आरोपों के बाद अनुमंडल कार्यालय कर्मियों और अधिवक्ता गण मे हड़कंप मच गया है।

परिवादी ने सहायक निर्वाची पदाधिकारी सह कार्यपालक दंडाधिकारी अरविंद कुमार वर्मा के आचरण पर सवाल उठाए हैं।

मामले की सुनवाई 19 फरवरी 2026 को हुई।

परिवाद में आरोप है कि शपथपत्र निर्गत करने में निर्धारित नियमों का उल्लंघन हो रहा है। बिना शपथकर्ता की न्यायालय उपस्थिति के कागजी औपचारिकताएं पूरी कर शपथपत्र जारी किए जाने की चर्चा है। कुछ शपथपत्रों पर हस्ताक्षर व अंगूठे के निशान संदिग्ध पाए गए।

एक ही बिंदु पर दो शपथपत्रों में अलग-अलग पहचानकर्ताओं के हस्ताक्षर मिले, जिससे पारदर्शिता पर सवाल उठे है।

शिकायतकर्ता ने सीसीटीवी फुटेज जांच, अभिलेख सत्यापन, फोरेंसिक परीक्षण व कानूनी कार्रवाई की मांग की है।यह परिवाद पूर्व प्रकाशित समाचार के आधार पर जिलाधिकारी द्वारा दिए जांच निर्देशों से जुड़ा है।

सुनवाई के दौरान अरेराज अनुमंडल पदाधिकारी अंजनी शर्मा ने जांच का आश्वासन दिया, जिसके बाद कार्यालय

कर्मियों में अवैध उगाही के आरोपों से हड़कंप मच गया है। अधिवक्ता वर्ग भी सतर्क हो गया है। अधिकारियों की ओर से अभी औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

प्रशासनिक हलकों में प्रकरण को गंभीरता से लिया जा रहा है, क्योंकि यह न्यायिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता से जुड़ा है।

अंतर्राष्ट्रीय सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार को मिलेगा 'दानवीर कर्ण राष्ट्रीय सम्मान'

बीएनएम @ मोतिहारी

विश्व मातृभाषा दिवस के अवसर पर बिहार के अंग प्रदेश स्थित भागलपुर में आगामी 22 फरवरी 2026 को आयोजित होने वाले अंग अंगिका साहित्य महोत्सव में बिहार के लाल व देश के सुप्रसिद्ध अन्तर्राष्ट्रीय रेत शिल्पकार मधुरेंद्र कुमार को प्रतिष्ठित 'दानवीर कर्ण राष्ट्रीय सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा। वहीं सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र को इस संबंध में व्हाट्सएप के जरिए एक आमंत्रण पत्र भेजकर जानकारी देते हुए जनसत्ता के वरिष्ठ पत्रकार प्रसून लतांत ने बताया कि युग चेतना, अंग जन गण, अंग मदद एवं अंगिका सभा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस साहित्यिक-सांस्कृतिक महोत्सव में अंगिका भाषा, साहित्य और कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा। जिसमें भारतीय समकालीन कला के क्षेत्र में अपनी अद्वितीय उत्कृष्ट योगदान के लिए सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र का नाम शामिल है। उन्होंने बताया कि मधुरेंद्र कुमार ने अपनी अद्भुत रेत कला के माध्यम से न केवल देशभर में, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भी भारतीय संस्कृति, सामाजिक सरोकार और मानवीय मूल्यों का प्रभावशाली संदेश दिया है। उनकी कलाकृतियों ने विश्व स्तर पर भारत और बिहार का गौरव बढ़ाया है। अंगिका साहित्य महोत्सव में उन्हें 'दानवीर कर्ण राष्ट्रीय सम्मान' से अलंकृत किया जाना अंग प्रदेश सहित पूरे बिहार के लिए गर्व का विषय माना जा रहा है। कार्यक्रम में देशभर के साहित्यकार, कलाकार, भाषा प्रेमी एवं सामाजिक कार्यकर्ता बड़ी संख्या में भाग लेंगे। विश्व मातृभाषा दिवस पर आयोजित यह समारोह अंगिका भाषा के संवर्धन तथा क्षेत्रीय सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

बर्थ डोज वैक्सीनेशन पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

एमसीएच भवन सदर अस्पताल में एक दिवसीय बर्थ डोज वैक्सीनेशन एवं एईएफआई, वीपीडी सर्विलेंस के लिए कार्यशाला का आयोजन गुरुवार को किया गया। उक्त कार्यक्रम सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार की अध्यक्षता में हुई। कार्यशाला में प्रशिक्षण डब्ल्यूएचओ के एसएमओ डॉ. मनोज तुमराडा ने दिया। कार्यशाला में पीकु वार्ड, नवजात इमर्जेंसी वार्ड, टीकाकरण काउंटर एएनएम तथा लेबर रुम टीकाकरण साईट के साथ साथ सदर के चिकित्सकों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में डॉ. तुमराडा ने बताया कि जन्म के तत्काल बाद बीसीजी, हेपटाइटिस बी तथा ओपीवी का डोज दिया जाता है जिसका रिकार्ड यूविन पर अंकित होना आवश्यक है। इसके साथ-साथ टीके देने के बाद किसी तरह का प्रतिकूल प्रभाव होता है तो उसका तत्काल समाधान के लिए चिकित्सक से सम्पर्क, चिकित्सा और यूविन पर संधारण जरुरी है। जिन रोगों से बचाने के लिए टीके दिए जाते हैं उनसे संबंधित रोग का लक्षण दिखता है तो तत्काल उसकी सूचना भी देनी जरुरी है ताकि उसकी जांच की जा सके। कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार ने ऐसी कार्यशाला और उसके निर्देश का पालन आवश्यक है। बैठक में सिविल सर्जन ने उपाधीक्षक डॉ. एस एन सत्यार्थी के द्वारा सुधारों के लिए तत्परता की प्रशंसा किया। बैठक में यूएनडीपी के रूपेश मिश्रा, राजेश कुमार, डॉ. अमृतांशु, नरोत्तम कुमार, अनिल कुमार, मनोज कुमार, मीरा कुमारी, सविता कुमारी इत्यादि सभी मौजूद थे।

दुर्घटनाओं पर सख्तीः संवेदनशील स्थलों पर ट्रैफिक पोस्ट, अवैध कट बंद करने के निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी

जिला पदाधिकारी-सह-अध्यक्ष, जिला सड़क सुरक्षा समिति सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में गुरुवार को सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर विस्तृत समीक्षा करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए। थानाध्यक्षों से प्राप्त सुझावों के आधार पर संबंधित विभागों को दुर्घटना प्रवण स्थलों पर आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। पिपराकोठी फ्लाईओवर के नीचे ट्रैफिक पोस्ट निर्माण के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) को निर्देशित किया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग पर बने अवैध कटों को बंद कराने तथा संवेदनशील स्थानों पर चेतावनी संकेत, स्पीड ब्रेकर एवं बैरिकेडिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। मोतिहारी स्थित इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IOCL) परिसर के पास आवश्यक सुरक्षा प्रबंध करने के निर्देश दिए गए। वहीं माउंट लिट्रा जी स्कूल के समीप सुरक्षा उपायों के लिए पथ प्रमंडल, मोतिहारी के कार्यपालक अभियंता को कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। सुगौली थाना क्षेत्र के जनता चौक, सिकरहाना पुल, अमिरखान टोला, फुलवरिया, चांदनी पेट्रोल पंप एवं श्रीपुर जान चौक सहित ग्राम जमुनाभार से सैनिक रोड को जोड़ने वाले चौक पर भी सुरक्षा उपाय करने के निर्देश दिए गए। पिपराकोठी एवं कोटवा थाना क्षेत्रों में दुर्घटना संभावित स्थलों पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तेज करने को कहा गया। सड़क दुर्घटना मुआवजा मामलों की समीक्षा करते हुए जिला परिवहन पदाधिकारी को लंबित आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करने तथा थानाध्यक्षों को पात्र आवेदकों को आवेदन दाखिल करने हेतु सूचित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही सभी थानों को i-RAD एवं c-DAR पोर्टल पर दुर्घटनाओं की जानकारी निर्धारित अवधि में शत-प्रतिशत अपलोड करने का निर्देश दिया गया। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक (यातायात), सभी थाना प्रभारी, एनएचएआई, पथ निर्माण विभाग एवं परिवहन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वयं हाथीपाँव की पीड़ित, अब दूसरों को बचाने के लिए बनीं 'स्वास्थ्य योद्धा'

» **महासुंदरी देवी का दृढ़ संकल्पः संग्रामपुर के जलहा को फाइलेरिया मुक्त बनाने की मुहिम**

बीएनएम @ मोतिहारी

जब किसी व्यक्ति का व्यक्तिगत संघर्ष समाज के कल्याण का मार्ग बन जाता है, तो वह एक नई क्रांति का सूत्रपात करता है। पूर्वी चंपारण जिले के संग्रामपुर प्रखंड की महासुंदरी देवी (50वर्ष) आज इसी अटूट साहस का प्रतीक बन गई हैं। विगत 10 वर्षों से हाथीपाँव (फाइलेरिया) जैसी कष्टदायक व्याधि का दंश झेलने के बावजूद, उन्होंने अब "जलहा" क्षेत्र को इस बीमारी से पूरी तरह मुक्त करने का बीड़ा उठा लिया है। मंगलापुर बरियरिया टोला (वार्ड संख्या 10) की आंगनबाड़ी केंद्र संख्या-135 में सहायिका के रूप में कार्यरत महासुंदरी देवी 10 फरवरी से आरंभ होने वाले 'सर्वजन दवा सेवन' अभियान को सफल बनाने हेतु निरंतर प्रयासरत हैं। वे आंगनबाड़ी केंद्रों से लेकर ग्रामीणों की देहरी तक दस्तक दे रही हैं और लोगों को फाइलेरिया रोधी औषधि के सेवन हेतु प्रोत्साहित कर रही हैं। महासुंदरी देवी का कहना है, "16 वर्ष पूर्व मुझे इस रोग और इससे बचाव के उपायों का बोध नहीं था। यदि उस समय मैंने औषधि का सेवन किया होता, तो आज मेरी यह स्थिति न होती। अब मेरा उत्तरदायित्व है कि जो पीड़ा मैंने भोगी है, वह कोई और न भोगे।" आयुष्मान आरोग्य मंदिर, जलहा में वे अब 'रोगी हितधारक मंच' (सीएचओ लीड पीएसपी) से जुड़कर एक सजग स्वास्थ्य प्रहरी की भाँति कार्य कर रही हैं। वे न केवल लोगों को गंदगी में पनपने वाले मच्छरों के खतरों के प्रति सचेत कर रही हैं, बल्कि औषधि के साथ-साथ नियमित व्यायाम के लाभ भी समझा रही हैं। जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शरत चंद्र शर्मा ने सूचित किया कि जिले में 6 हजार से अधिक हाथीपाँव और अंडवृद्धि (हाइड्रोसील) के रोगी हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि औषधि सेवन के उपरांत यदि सामान्य चक्कर, ज्वर या जी मिचलाने जैसे लक्षण प्रकट हों, तो भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है। "ये लक्षण इस बात का प्रमाण हैं कि शरीर में फाइलेरिया के सूक्ष्म परजीवी विद्यमान हैं और औषधि उन पर प्रभावी प्रहार कर रही है। यह प्रभाव अल्पकालिक होता है।" प्रशासन ने इस अभियान की सफलता हेतु स्वास्थ्य केंद्रों, जन-प्रतिनिधियों, मुखिया, राशन विक्रेताओं और जीविका दीदियों के साथ मिलकर समितियों का गठन किया है। हाल ही में संपन्न हुए 'रात्रि रक्त सर्वेक्षण' में नए रोगियों की पुष्टि होने के उपरांत विभाग अब शत-प्रतिशत औषधि सेवन सुनिश्चित करने पर बल दे रहा है।

सूखे नशे के खिलाफ विशेष अभियान, दो तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

जिले में सूखे नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में सफलता मिली है। कार्रवाई के दौरान दो नशा कारोबारियों को गिरफ्तार कर मादक पदार्थ व अन्य सामान बरामद किया गया है। बीजधरी थाना पुलिस ने लाला छपरा मोड़ स्थित एक चाय दुकान पर छापेमारी कर शत्रुघ्न शाह (पिता– स्व. पारस शाह), निवासी बीजधरी को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से 19 प्लास्टिक पैकेट गांजा, 12 मिट्टी का चिलम तथा करीब 350 ग्राम गांजा जैसा मादक पदार्थ बरामद किया गया। बीजधरी थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र में मादक पदार्थ के कारोबार को किसी भी हाल में पनपने नहीं दिया जाएगा और ऐसे तत्वों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा। वहीं पचपकड़ी थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में साहेब बैठा (पिता– शंकर बैठा), निवासी पचपकड़ी को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 13 छोटी डिबिया ब्राउन शुगर जैसा मादक पदार्थ, 100 खाली डिबिया, 10,300 रुपये नकद तथा एक बुलेट मोटरसाइकिल बरामद की गई। दोनों मामलों में संबंधित थानों में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि नशे के कारोबार से जुड़ी किसी भी सूचना को तत्काल पुलिस तक पहुंचाएं, ताकि जिले को नशामुक्त बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा सकें।

4 अप्रैल को महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षांत समारोह

» **मुख्य अतिथि होंगे भारत गणराज्य के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन, विशिष्ट अतिथि के रूप में आएंगे लोकसभा सांसद एवं पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह**

» **गांधी प्रेक्षागृह में गरिमा और गौरव के साथ होगा ऐतिहासिक आयोजन**

» **कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव बोले — यह समारोह विद्यार्थियों की साधना और सफलता का उत्सव**

बीएनएम @ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में आगामी 4 अप्रैल 2026 को आयोजित होने जा रहे तृतीय दीक्षांत समारोह को लेकर संपूर्ण विश्वविद्यालय परिसर उत्साह और हर्षोल्लास से परिपूर्ण है। यह भव्य एवं गरिमामय समारोह गांधी प्रेक्षागृह में संपन्न होगा, जिसमें भारत गणराज्य के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान करेंगे। इस ऐतिहासिक अवसर पर सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राधा मोहन सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाएंगे।

विद्यार्थियों की साधना और संकल्प का महोत्सव — प्रो. संजय श्रीवास्तव-विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि तृतीय दीक्षांत समारोह केवल उपाधि वितरण का अवसर नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की वर्षों की तपस्या, अनुशासन और शैक्षणिक उत्कृष्टता का उत्सव है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर ज्ञान, नवाचार और राष्ट्रनिर्माण के मार्ग पर अग्रसर है तथा उपराष्ट्रपति की उपस्थिति इस गौरवशाली यात्रा को नई ऊँचाई प्रदान करेगी। सामूहिक समर्पण से स्मरणीय बनेगा आयोजन प्रो. प्रसून दत्त सिंह दीक्षांत समारोह हेतु गठित समग्र समन्वय समिति के अध्यक्ष प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय इस आयोजन को गरिमा, अनुशासन और उत्कृष्ट व्यवस्था के साथ संपन्न कराने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि सभी विभाग, शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी एकजुट होकर इसे ऐतिहासिक बनाने में जुटे हैं। `````गौरवशाली परंपरा का सशक्त विस्तार महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अल्प अवधि में दीक्षांत समारोहों की एक गौरवपूर्ण परंपरा स्थापित की है। प्रथम दीक्षांत समारोह में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की ऐतिहासिक उपस्थिति ने चंपारण की धरती को राष्ट्रीय गौरव प्रदान किया। द्वितीय दीक्षांत समारोह में भारत के तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मुख्य अतिथि रहे, जिससे विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को देशभर में नई पहचान मिली। अब तृतीय दीक्षांत समारोह इस गौरवशाली यात्रा का एक और स्वर्णिम अध्याय बनने जा रहा है।

उपलब्धियों का सम्मान, उज्ज्वल भविष्य की ओर कदम- इस दीक्षांत समारोह में विभिन्न संकायों के उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की जाएंगी, जो शिक्षा, सेवा और राष्ट्रनिर्माण के प्रति उनके संकल्प का प्रतीक होंगी।

संक्षिप्त समाचार

चुलाई शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार, छह शराबी भी धराए

बीएनएम @ सुगौली। थाना क्षेत्र के मेहवा गांव में पुलिस ने गुरुवार को छापेमारी कर 74 लीटर चुलाई शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुनिल कुमार के रूप में हुई है। इसी क्रम में छपरा बहास गांव से शराब सेवन कर रहे छह लोगों को भी पुलिस ने पकड़ा। सभी के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। थानाध्यक्ष अनीश कुमार सिंह ने बताया कि बरामद चुलाई शराब जब्त कर ली गई है। साथ ही शराब कारोबार में संलिप्त आरोपी एवं शराब सेवन के आरोप में गिरफ्तार सभी लोगों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

शराब सेवन और हत्या के प्रयास में 5 गिरफ्तार

बीएनएम @ रामगढ़वा (विजय कुमार)। पलनवा थाना पुलिस ने गुरुवार को अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि शराब सेवन के आरोप में तीन लोगों को पकड़ा गया। गिरफ्तार व्यक्तियों में रामनाथ महतो, संतोष महतो (ग्राम पलनवा) एवं ध्रुव पटेल (ग्राम पखनहिया) शामिल हैं। वहीं हत्या के प्रयास के एक मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें अशोक यादव तथा मुख्तार यादव (ग्राम प्रसौना तपसी) शामिल हैं। मुख्तार यादव को पूर्व के मामले में रक्सौल से गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर यह कार्रवाई की गई। दोनों मामलों में आगे की जांच जारी है।

पताही में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, नौ अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ पताही। थाना क्षेत्र में विभिन्न कांडों में फरार चल रहे नौ अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सभी आरोपितों को विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद मोतिहारी भेजा गया है। थानाध्यक्ष बबन कुमार ने बताया कि अलग-अलग मामलों में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपितों में जोगिंद्र ठाकुर (पिता बतहु ठाकुर) ग्राम बड़का बलुआ, सुमेद महतो (पिता मंगल महतो) ग्राम नॉनफरवा, सचिन कुमार (पिता संजय साहनी) ग्राम परसौनी कपूर, सुबोध राम (पिता सुरेश राम) एवं रामसागर महतो (पिता जोगिंद्र महतो) दोनों ग्राम बखरी, सुखदेव दास (पिता स्व. गौना दास) ग्राम पंचगछिया, बिज्ञान साह (पिता विश्वास साह) ग्राम पंचगछिया, सियाराम कुमार (पिता विश्वनाथ ठाकुर) ग्राम बखरी तथा सुशील राय (पिता विद्या राय) ग्राम चम्पापुर शामिल हैं। थानाध्यक्ष ने बताया कि सभी आरोपितों से आवश्यक पूछताछ के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस आगे की विधिक कार्रवाई में जुटी हुई है।

नेपाल सीमा पर संयुक्त कार्रवाई, 5.48 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम @ रक्सौल। भारत-नेपाल सीमा पर नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता मिली है। हरैया थाना क्षेत्र के भालूवाहा नेपाल बॉर्डर पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और हरैया पुलिस की संयुक्त टीम ने 5.480 किलोग्राम गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नेपाल के परसा जिला अंतर्गत आलौंग निवासी बद्री सहनी के पुत्र ड्राय सहनी तथा लालबाबू सहनी के पुत्र राजन सहनी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों मोटरसाइकिल से नेपाल से गांजा लेकर भारतीय सीमा में प्रवेश कर रहे थे। सूचना मिलते ही सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त जांच अभियान चलाया। संदिग्ध मोटरसाइकिल को रोककर तलाशी लेने पर उनके पास से भारी मात्रा में गांजा बरामद किया गया। पूछताछ में दोनों ने तस्करी की बात स्वीकार की है। हरैया थानाध्यक्ष किशन कुमार पासवान ने बताया कि मामले में एनडीपीएस अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि नेपाल सीमा पर तस्करी रोकने के लिए विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा।

चोरी की घटना का हुआ उद्भेदन, तीन धराएं, समान बरामद

बीएनएम @ तुरकौलिया। बाउंड्री तोड़कर चोरी करने के मामले का रघुनाथपुर पुलिस ने उद्भेदन किया है। इस मामले में पुलिस ने बालगंगा के संदेश साह, लक्ष्मीपुर गदरिया के संतोष साह व लक्ष्मीपुर के नरेश यादव को गिरफ्तार किया है। साथ ही पकड़े गए संदेश के निशानदेही पर इंवर्टर, बैटरी, मोटर बरामद की गई है। रघुनाथपुर थानाध्यक्ष अलका कुमारी ने बताया कि नगर थाना क्षेत्र के श्रीकृष्ण नगर के सुबोध पुरी ने बालगंगा में जमीन खरीदकर चहारदीवारी कराया था। जिसे उक्त पकड़े गए आरोपितों ने चहारदीवारी तोड़ कर कार्यालय से समान चोरी कर ली थी। जिसे बरामद कर लिया गया है। वही थानाध्यक्ष अलका कुमारी ने बताया कि विशेष समकालीन अभियान में 3 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। जिसमें हरदिया गांव के खजांची सहनी, सोनेलाल सहनी व राजकुमार सहनी शामिल हैं। तीनों के विरुद्ध न्यायालय से कुर्की वारंट निर्गत था।

नाबार्ड की बैंकर्स बैठक: कृषि ऋण विस्तार और ग्रामीण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

बीएनएम @ मोतिहारी

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) पूर्वी चंपारण द्वारा गुरुवार को जिला सहकारी बैंक परिसर में बैंक अधिकारियों के लिए एक दिवसीय संवेदनशीलता बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला विकास प्रबंधक आनंद अतिरेक ने की। इस अवसर पर जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक राजेंद्र कुमार पाण्डेय, ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक बिपिन कुमार सहित विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिले में बढ़ते ऋण प्रवाह की समीक्षा की गई। इस दौरान गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों की सक्रिय भूमिका की सराहना करते हुए कहा गया कि उन्होंने ऋण उपलब्धता बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। साथ ही यह भी रेखांकित किया गया कि बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के बीच संतुलित एवं समन्वित प्रयास आवश्यक हैं, ताकि प्राथमिकता क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण एवं टिकाऊ ऋण वितरण सुनिश्चित किया जा सके। कृषि क्षेत्र में अवधि ऋण को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया गया। नाबार्ड ने स्पष्ट किया कि दीर्घकालिक कृषि निवेश, कृषि यंत्रीकरण तथा ग्रामीण आधारभूत संरचना के विकास के लिए संस्थागत वित्त की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिला विकास प्रबंधक ने किसान क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत पशुपालन एवं मत्स्य पालन गतिविधियों को व्यापक रूप से शामिल कर ऋण वितरण बढ़ाने की आवश्यकता बताई, जिससे किसानों की आय में विविधता और स्थिरता लाई जा सके। बैठक में वार्षिक ऋण योजना की प्रगति की समीक्षा की गई तथा बैंकों से लक्ष्य प्राप्ति हेतु सक्रिय और समयबद्ध पहल करने का आग्रह किया गया। साथ ही संयुक्त देयता समूहों के माध्यम से छोटे, सीमांत एवं भूमिहीन किसानों को संस्थागत ऋण से जोड़ने पर भी विशेष जोर दिया गया। नाबार्ड की प्रमुख योजनाओं के अंतर्गत ग्रामीण आधारभूत संरचना विकास निधि के माध्यम से पुल, सड़क, सिंचाई एवं पेयजल परियोजनाओं के वित्तपोषण, प्राथमिक कृषि साख समितियों के कंप्यूटरीकरण, किसान उत्पादक संगठनों को केंद्रीय क्षेत्रीय योजना एवं उत्पादक संगठन विकास निधि के तहत सहयोग तथा ग्रामीण युवाओं के कौशल विकास कार्यक्रमों की जानकारी साझा की गई। बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को सुदृढ़ करने के लिए सभी वित्तीय संस्थानों को पारदर्शी, उत्तरदायी एवं समयबद्ध ऋण वितरण सुनिश्चित करना होगा। अंत में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर बैंक प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

खैनी बना रही युवाओं को बीमार, चिकित्सक बोले- "यह मीठा जहर है"

बीएनएम @पताही

प्रखंड क्षेत्र में तंबाकू से बनी खैनी के बढ़ते प्रचलन को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने गंभीर चेतावनी दी है। जिहुली निवासी चिकित्सक डॉ. गजेंद्र कुमार ने खैनी को "मीठा जहर" बताते हुए कहा कि यह धीरे-धीरे शरीर को अपनी लत में जकड़ लेती है और कई जानलेवा बीमारियों का कारण बनती है। डॉ. कुमार ने बताया कि खैनी एक प्रकार का धुआं रहित तंबाकू उत्पाद है, जो मुख्य रूप से निकोटियाना टबैकम नामक पौधे की सूखी पत्तियों से तैयार की जाती है और चूने के साथ मिलाकर सेवन की जाती है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद में तंबाकू के कुछ सीमित औषधीय उपयोगों का उल्लेख मिलता है, लेकिन सामान्य रूप से इसका सेवन स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। उन्होंने जानकारी दी कि खैनी में 28 से अधिक कैंसरकारी रसायन पाए जाते हैं, जिनमें नाइट्रोसामाइन्स प्रमुख हैं। इसके सेवन से मुंह, जीभ, गला और मसूड़ों का कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा ओरल सबम्यूकस फाइब्रोसिस जैसी गंभीर बीमारी हो सकती है, जिसमें मुंह के अंदर के ऊतक सख्त हो जाते हैं और धीरे-धीरे मुंह खुलना कम हो जाता है। चिकित्सक ने बताया कि खैनी हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, रक्त के थक्के बनने, दिल का दौरा और स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ाती है। दांतों का क्षय, मसूड़ों से खून आना और मुंह में छाले इसके सामान्य दुष्परिणाम हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि बिहार में शराबबंदी के बाद युवाओं का रुझान सूखे नशे की ओर बढ़ा है, जिससे खैनी जैसे तंबाकू उत्पादों का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से फैल रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार धुआं रहित तंबाकू उत्पाद भी उतने ही हानिकारक हैं जितना धूम्रपान। वहीं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाता रहा है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में इसका प्रभाव सीमित दिखता है। डॉ. कुमार ने लोगों से अपील की कि खैनी छोड़ने के लिए सबसे जरूरी है दृढ़ इच्छाशक्ति। योग, ध्यान, संतुलित जीवनशैली और चिकित्सकीय परामर्श के माध्यम से इस लत से छुटकारा पाया जा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि समय रहते खैनी का त्याग करने से कई गंभीर और जानलेवा बीमारियों का खतरा काफी हद तक कम किया जा सकता है।

प्रखंड कार्यालय पर भाकपा का प्रदर्शन, किसान-मजदूरों की मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

बीएनएम @ रामगढ़वा

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के बैनर तले प्रखंड सह-अंचल कार्यालय परिसर में गुरुवार को विशाल जन-प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसान और मजदूर शामिल हुए। सभा की अध्यक्षता कॉमरेड कृष्ण सिंह ने की। मुख्य रूप से सुगौली विधानसभा क्षेत्र के पूर्व भाकपा प्रत्याशी एवं वरिष्ठ नेता राधामोहन सिंह मौजूद रहे। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के विरोध में नारेबाजी की तथा विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपा। सभा को संबोधित करते हुए राधामोहन सिंह ने कहा कि वर्तमान आर्थिक नीतियों के कारण किसान और मजदूरों की स्थिति लगातार खराब हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मनरेगा के प्रभावी क्रियान्वयन नहीं होने से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार का संकट गहरा गया है, जिससे मजदूरों का पलायन बढ़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि असमय हुई भारी बारिश से धान समेत अन्य फसलों को नुकसान हुआ है, लेकिन फसल बीमा योजना के तहत अब तक मुआवजा नहीं मिला है। अध्यक्षता कर रहे कॉमरेड कृष्ण सिंह ने भूमिहीन परिवारों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि बेतिया राज एवं गरमजरूवा आम/मालिक की जमीनों पर वर्षों से बसे लोगों को बेदखल करने के लिए नोटिस दिए जा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार भूमिहीनों को पांच डिसमिल जमीन आवंटित करने की घोषणा को लागू करे। इस अवसर पर राज्य सचिव मंडल सदस्य कॉमरेड अजय कुमार सिंह, जिला सचिव कॉमरेड विश्वनाथ यादव, कॉमरेड विजय शंकर सिंह एवं कॉमरेड शम्भुशरण सिंह ने भी सभा को संबोधित किया। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि किसानों को फसल क्षति का मुआवजा और भूमिहीनों को जमीन का अधिकार नहीं मिला, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

68 लाख की योजना में अनियमितता का आरोप, पेयजल संकट से बढ़ी नाराजगी

बीएनएम @ रक्सौल @ अमलेश कुमार

शहर के प्रमुख बैंक रोड (ओल्ड एक्सचेंज रोड से श्री सत्य नारायण पंचायती मंदिर होते हुए मुख्य पथ तक) के निर्माण कार्य को लेकर स्थानीय व्यवसायियों और नागरिकों ने गंभीर अनियमितता के आरोप लगाए हैं। लगभग 68,85,252 रुपये की लागत से हो रहे सड़क एवं नाला निर्माण कार्य पर गुणवत्ता से समझौता और नियमों की अनदेखी के आरोप सामने आए हैं। निर्माण कार्य 11 अगस्त 2025 से प्रारंभ हुआ था, लेकिन कई महीने बीतने के बाद भी कार्य अधूरा है। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि निर्माण की धीमी गति और सड़क पर पड़े मलबे के कारण त्योहारी सीजन का व्यापार प्रभावित हुआ है। लोगों का आरोप है कि सड़क निर्माण में निर्धारित तकनीकी मानकों का पालन नहीं किया जा रहा। बिना समुचित ग्रैन्यूलर सब-बेस परत डाले ही ढलाई की तैयारी की जा रही है। मजबूत काली गिट्टी के स्थान पर सफेद गिट्टी के उपयोग और ढलाई के बाद उचित तरावट (क्यूरिंग) नहीं होने से सड़क की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। नगर परिषद के नियमों के अनुसार पहले नाला निर्माण और उसके बाद सड़क निर्माण होना चाहिए। आरोप है कि कुछ हिस्सों में नाला अधूरा छोड़कर सीधे पीसीसी ढलाई कर दी गई है। निर्मित नाले की चौड़ाई और गहराई भी पूर्व के नाले से कम बताई जा रही है, जिससे भविष्य में जलजमाव की आशंका जताई जा रही है। निर्माण के दौरान नल-जल योजना की पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से कई मोहल्लों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पाइपलाइन को निर्धारित गहराई पर नहीं बिछाया गया था, जिससे समस्या और बढ़ गई। परियोजना स्थल पर सूचना बोर्ड नहीं लगाए जाने को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। नियमों के अनुसार किसी भी सरकारी योजना की लागत, अवधि और संवेदक की जानकारी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करना अनिवार्य है। इस संबंध में नगर परिषद रक्सौल की कार्यवाहक सभापति पुष्पा देवी ने कहा कि निर्माण कार्य में मानकों से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि गुणवत्ता सुनिश्चित होने के बाद ही भुगतान किया जाएगा तथा पूरे मामले से बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम (BUDCO) को अवगत कराते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप नहीं कराया गया, तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

हजार रुपये रिश्वत लेते कनीय अभियंता गिरफ्तार, विशेष निगरानी इकाई की कार्रवाई

बीएनएम @ पटना/मुजफ्फरपुर

विशेष निगरानी इकाई ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए साहेबगंज नगर परिषद, मुजफ्फरपुर के कनीय अभियंता अमन कुमार को 9,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। अपर पुलिस महानिदेशक पंकज कुमार दाराद ने बताया कि ग्राम सितुआही, थाना साहेबगंज, जिला मुजफ्फरपुर निवासी राजकुमार तिवारी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि पेवर ब्लॉक लगाने के कार्य के बदले अभियंता द्वारा 25,000 रुपये की रिश्वत मांगी जा रही है। विशेष निगरानी इकाई द्वारा कराए गए सत्यापन में शिकायत सही पाई गई। जांच के दौरान अभियुक्त ने दो अलग-अलग कार्यों के लिए 15,000 रुपये और 9,000 रुपये, कुल 24,000 रुपये की मांग की। इसके बाद विशेष निगरानी थाना कांड संख्या 07/2026, दिनांक 19 फरवरी 2026 को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस उपाधीक्षक राजकुमार सिंह के नेतृत्व में गठित धावा दल ने जाल बिछाकर अभियुक्त को 9,000 रुपये रिश्वत की राशि लेते हुए गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ की जा रही है तथा आगे की कानूनी प्रक्रिया अपनाई जा रही है।

स्टेशन रोड पर पुराने पीपल की कटाई से विवाद, ठेकेदार और वन विभाग पर उठे सवाल

बीएनएम @ रक्सौल @ अमलेश कुमार

रेलवे स्टेशन रोड स्थित रेलवे की लीज पर ली गई जमीन पर दशकों पुराने हरे-भरे पीपल के पेड़ की कटाई को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। स्थानीय लोगों ने ठेकेदारों और वन विभाग की भूमिका पर सवाल उठाते हुए इसे पर्यावरण के साथ खिलवाड़ बताया है। जानकारी के अनुसार, रेलवे की जमीन लीज पर दिए जाने के बाद स्टेशन रोड क्षेत्र में निर्माण कार्य शुरू हुआ। इसी दौरान रास्ते में आ रहे करीब 50 वर्ष पुराने पीपल के पेड़ को जेसीबी मशीन से काट दिया गया। स्थानीय निवासी एवं 'स्वच्छ रक्सौल' के संस्थापक रंजीत सिंह ने आरोप लगाया कि पेड़ काटने से पहले वन विभाग की अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) सार्वजनिक रूप से नहीं दिखाया गया। उन्होंने कहा कि यह पेड़ क्षेत्र की हरियाली और पर्यावरण का प्रतीक था। घटना के बाद लोगों ने प्रशासन के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया और ठेकेदार के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने, वन विभाग की भूमिका की जांच कराने तथा नए पौधे लगाने की मांग की। कई लोगों ने कहा कि पेड़ को स्थानांतरित (ट्रांसप्लांट) करने का विकल्प भी अपनाया जा सकता था। इस मामले में मोतिहारी के डीएफओ राजकुमार शर्मा ने बताया कि विकास कार्य के लिए विधिवत एनओसी जारी की गई है। उन्होंने कहा कि जितने पेड़ काटे जाएंगे, उसके तीन गुना पौधे लगाने का प्रावधान है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि राज्य सरकार का जल जीवन हरियाली अभियान पर्यावरण संरक्षण की बात करता है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका पालन नहीं हो रहा। वहीं रेलवे प्रशासन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, चार थानों में भारी बरामदगी

बीएनएम @ मोतिहारी

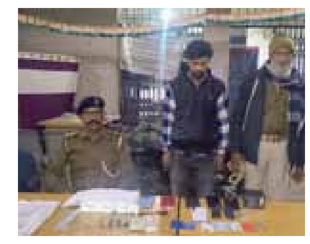

जिले में शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त की है। अलग-अलग स्थानों पर की गई कार्रवाई में नेपाली, अंग्रेजी और देशी शराब बरामद की गई। घोड़ासहन थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर ग्राम बालापुर एवं श्रीपुर कस्बा में छापेमारी की गई। इस दौरान दो मोटरसाइकिल पर लदी 1448 पीस नेपाली कस्तूरी शराब बरामद की गई। कुल मात्रा 434. 4 लीटर बताई गई है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। मधुबन थाना अंतर्गत ग्राम बंजरिया में छापेमारी कर 38 बोतल अंग्रेजी शराब (कुल 28.5 लीटर) जब्त की गई। पुलिस ने अभियुक्त की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज कर दी है। कुंडवाचैनपुर थाना क्षेत्र में नेपाल सीमा के समीप ग्राम बलुआ गुआबाड़ी में एक मोटरसाइकिल से 540 बोतल नेपाली शराब बरामद की गई, जिसकी कुल मात्रा 162 लीटर है। इस मामले में भी अग्रिम कानूनी कार्रवाई जारी है। वहीं केसरिया थाना अंतर्गत ग्राम काढ़ान दियर में छापेमारी के दौरान 110 लीटर देशी चुलाई शराब जब्त की गई। संबंधित आरोपितों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

भारत का स्कोर मध्यम स्तर पर

भारत की ताकत फार्मास्यूटिकल्स, रसायन और आईटी सेवाओं में है, जो उच्च जटिलता वाले क्षेत्रों में आते हैं। लेकिन कृषि और प्राथमिक वस्तुओं की बड़ी हिस्सेदारी आर्थिक जटिलता सूचकांक पर भारत के ऊपर जाने में रुकावट है। जो देश मैनुफैक्चरिंग की विविधापूर्ण एवं बारीक क्षमताएं विकसित करते हैं, उनका तेजी से विकास होता है। ये निष्कर्ष हार्वर्ड ग्रोथ लैब का है। अमेरिका के मशहूर हार्वर्ड केनेडी स्कूल से संबंधित ये अध्ययन केंद्र ने विभिन्न देशों की उत्पादक क्षमता को मापते हुए आर्थिक जटिलता सूचकांक (ईसीआई) तैयार करता है। उसका दावा है कि इस पैमाने से विकास की रफ्तार का किसी अन्य पैमाने की तुलना में अधिक सटीक अनुमान लगाया जा सकता है। लैब अपने सूचकांक के आधार पर इस नतीजे पर है कि अगले दशक में प्रति व्यक्ति आर्थिक वृद्धि का अग्रणी देश वियतनाम होगा। यानी दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका चीन इस मामले में वियतनाम से पीछे रहेगा। संस्था का निष्कर्ष है कि अगले दस साल तक वैश्विक ग्रोथ का नेतृत्व पूर्वी एशिया के हाथ में बना रहेगा। ईसीआई पर जापान पहले, ताइवान दूसरे, दक्षिण कोरिया चौथे और सिंगापुर पांचवें नंबर पर आया है। गुजरे पांच साल में तीन अंकों की उछाल हासिल करते हुए चीन अब टॉप 10 में पहुंच गया है, जबकि अमेरिका गिर कर 20वें स्थान पर चला गया है। 145 देशों की इस सूची में भारत को 41वें स्थान पर रखा गया है। विश्लेषकों के मुताबिक भारत का स्कोर मध्यम स्तर पर है, जो यह दिखाता है कि भारत की उत्पादन संरचना विविध तो है, लेकिन उच्च-तकनीक और जटिल उत्पादों में पर्याप्त विस्तार का अभाव है। इस सूचकांक में भारत को ऊपर चढ़ना है, तो उसे उच्च मूल्य वाले और तकनीकी रूप से परिष्कृत वस्तुओं के उत्पादन की क्षमता विकसित करनी होगी। भारत की ताकत फार्मास्यूटिकल्स, रसायन और आईटी सेवाओं में है, जो उच्च जटिलता वाले क्षेत्रों में आते हैं। लेकिन कृषि और प्राथमिक वस्तुओं की बड़ी हिस्सेदारी ईसीआई पर भारत के ऊपर जाने में रुकावट है। ईसीआई में मुख्य ध्यान ज्ञान एवं उच्च उत्पादन क्षमताओं पर केंद्रित है।

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2026 ज़ारी-भारत की 10 पायदान की छलांग-दो देशों द्वारा वीजा-फ्री सुविधा समाप्त

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

भारत ने 2006 में 71वीं सर्वोच्च रैंक हासिल की थी अब आगे 2027 में उससे बेहतर प्रदर्शन करने की नीति निर्धारकों से अपेक्षा हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2026 में भारत की 10 पायदान की छलांग प्रशंसनीय,कूटनीतिक सक्रियता का संकेत परंतु दो देशों द्वारा वीजा-फ्री सुविधा समाप्त किया जाना चेतावनी भी है वैश्विक गतिशीलता के इस दौर में पासपोर्ट केवल यात्रा दस्तावेज नहीं,बल्कि किसी राष्ट्र की कूटनीतिक विश्वसनीयता, आर्थिक ताकत और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा का सूचक बन चुका है।वर्ष 2026 के हेनली एंड पार्टनर्स द्वारा जारी हेनली पासपोर्ट इंडेक्स में भारत ने 10 पायदान की उल्लेखनीय छलांग लगाते हुए 85वें स्थान से 75वें स्थान पर पहुंचकर एक सकारात्मक संदेश दिया है।भारतीय पासपोर्ट धारक अब 56 देशों में वीजा-फ्री या वीजा- ऑन-अराइवल सुविधा के साथ यात्रा कर सकते हैं।लेकिन इसी के साथ यह तथ्य भी सामने आया कि दो देशों ने भारतीयों के लिए वीजा-फ्री सुविधा समाप्त कर दी। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि ऐसे में स्वाभाविक प्रश्न उठता है क्रि दो देश घटे तो रैंकिंग कैसे सुधरी?और 2006 में हासिल 71वीं सर्वोच्च रैंक अब तक क्यों नहीं मिल पाई?इन दोनों पहलुओं को प्रशंसा और आलोचना,दोनों दृष्टिकोणों से समझना आवश्यक है।जहां एक ओर 10 रैंक की छलांग है तो दूसरी ओर ईरानःनवंबर 2025 में वीजा-फ्री सुविधा बंद कर दी गई। वजह थी धोखाधड़ी और ट्रैफिकिंग के मामले, जिनमें भारतीय नागरिकों को फर्जी नौकरी ऑफर देकर ईरान बुलाया गया और फिर किडनैप किया गया।बोलीवियाः पहले वीजा-ऑन-अराइवल मिलता था, लेकिन 2026 से ई-वीजा लागू कर दिया गया। अब पहले से ऑनलाइन आवेदन करना जरूरी है,इसलिए यह वीजा- फ्री कैटेगरी में बिलकुल ही नहीं आता। साथियों बात अगर हम हेनले पासपोर्ट इंडेक्स को गहराई से समझने की करें तो,विश्व के लगभग 200 देशों के पासपोर्ट की ताकत को इस आधार पर रैंक करता है कि उनके नागरिक कितने देशों में बिना पूर्व वीजा के प्रवेश कर सकते हैं। इस इंडेक्स के निर्माण में इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के डेटा का उपयोग किया जाता है, जिसे हेनले की रिसर्च टीम विश्लेषित करती है।रैंक जितनी ऊंची, पासपोर्ट उतना शक्तिशाली। इस पैमाने पर देखें तो भारत का 75 वें स्थान पर पहुंचना एक उपलब्धि है,क्योंकि यह दर्शाता है कि भारतीय नागरिकों कीवैश्विक स्वीकार्यता और भारत की कूटनीतिक सक्रियता में सुधार हुआ है। साथियों बात अगर हम दो देश घटे,फिर भी रैंकिंग सुधरी कैसे? इसको समझने की करें तो,यह विरोधाभास प्रतीत हो सकता है कि वीजा-फ्री देशों की संख्या में कमी के बावजूद भारत की रैंकिंग बेहतर हुई। इसका उत्तर इंडेक्स की सापेक्ष प्रकृति में छिपा है।हेनले इंडेक्स पूर्णांक नहीं,बल्कि तुलनात्मक रैंकिंग है। यदि अन्य देशों की स्थिति अधिक तेजी से गिरी हो या कुछ देशों की वीजा सुविधाओं में कटौती हुई हो,तो भारत भले ही सीमित वृद्धि करे,उसकी रैंक ऊपर जा सकती है। दूसरे शब्दों में, रैंकिंग केवल अपने प्रदर्शन पर नहीं,बल्कि दूसरों के प्रदर्शन पर भी निर्भर करती है।यदि कुछ अफ्रीकी एशियाई या लैटिन अमेरिकी देशों की वीजा-फ्री पहुंच कम हुई हो,तो भारत तुलनात्मक रूप से ऊपर आ सकता है।तारीफ़ के दृष्टिकोण से देखें तो यह संकेत है कि भारत ने वैश्विक मंच पर संतुलित कूटनीति अपनाई है। अफ्रीका,दक्षिण-पूर्व एशिया और कैरिबियन देशों के साथ भारत के संबंधों में सुधार हुआ है। जिन देशों में भारतीय पासपोर्ट धारकों को वीजा-फ्री सुविधा मिलती है,उनमें अंगोला बर्बाडोस,भूटान ,फिजी ,मलेशिया मौरीशिस,नेपाल ,थाईलैंड और त्रिनिदाद and तोबागो जैसे देश शामिल हैं। यह सूची दर्शाती है कि भारत की उपस्थिति उभरते और विकासशील देशों में मजबूत हुई है।आलोचना के दृष्टिकोण से देखें तो 56 देशों की वीजा-फ्री पहुंच अभी भी वैश्विक औसत से कम है। शीर्ष देशों की तुलना करें तो स्थिति स्पष्ट होती है। इंडेक्स में प्रथम स्थान पर सिंगापुर है, जिसके नागरिक 192 गंतव्यों तक वीजा-फ्री पहुंच रखते हैं। दूसरे स्थान पर जापान और साउथ कोरिया हैं, जिनकी पहुंच 187 देशों तक है। तीसरे स्थान पर स्वीडन और यूनाइटेड अरब अमीरात हैं। चौथे स्थान पर फ्रांस ,जर्मनी,इटली ,स्पेन और स्विट्जरलैंड संयुक्त रूप से हैं। पांचवें स्थान पर ऑस्ट्रेया ,ग्रीस माल्टा और पोर्टगाल हैं। शीर्ष 10 में ऑस्ट्रेलिया यूनाइटेड किंगडम , कनाडा और न्यूजीलैंड भी शामिल हैं। तुलना से स्पष्ट है कि भारत अभी भी शीर्ष देशों से काफी पीछे है। साथियों बात अगर हम दो देशों द्वारा वीजा-फ्री सुविधा समाप्त, यह चिंता का विषय इसको समझने की करें तो रिपोर्ट के अनुसार दो देशों ने भारतीयों के लिए वीजा-फ्री सुविधा समाप्त की, कथित तौर पर कुछ भारतीय नागरिकों की गैरकानूनी गतिविधियों में संलिप्तता के कारण। यह बिंदु आलोचना का आधार बनता है। किसी भी देश की यात्रा स्वतंत्रता केवल सरकार की कूटनीति पर निर्भर नहीं, बल्कि उसके नागरिकों के आचरण पर भी निर्भर करती है,यदि अवैध आव्रजन, ओवरस्टे, या स्थानीय कानूनों का उल्लंघन बढ़ता है, तो संबंधित देश वीजा नियम सख्त कर सकते हैं। इस संदर्भ में भारत को न केवलकूटनीतिक स्तरपर,बल्कि प्रवासी प्रबंधन और जागरूकता स्तर पर भी सुधार की आवश्यकता है। तारीफ़ के दृष्टिकोण से यह कहा जा सकता है कि दो देशों की कटौती के बावजूद समग्र स्कोर स्थिर या बेहतर रहा, जो दर्शाता है कि अन्य देशों के साथ संबंधों में सुधार ने इस नुकसान की भरपाई की। भारत की 'एक्ट ईस्ट', 'नेबरहुड फर्स्ट' और अफ्रीका-आउटरीच नीतियों ने यात्रा सहयोग को बढ़ावा दिया है। साथियों बात अगर हम 2006 की सर्वोच्च रैंक क्यों नहींदोहराई गई? इसको समझने की करें तो, भारत ने 2006 में 71वींसर्वोच्च रैंक हासिल की थी।तब वैश्विक भू- राजनीतिक परिदृश्य अलग था। 9/11 के बाद सुरक्षाकड़े हुए थे,परंतु डिजिटल निगरानी और आव्रजन नियंत्रण उतने व्यापक नहीं थे जितने आज हैं। पिछले दो दशकों में अवैध आव्रजन, शरणार्थी संकट, आतंकवाद और मानव तस्करी जैसी चुनौतियों के कारण कई देशों ने वीजा नियम कड़े किए हैं।भारत जैसे जनसंख्या-समृद्ध देश के नागरिकों पर अतिरिक्त जांच लागू होना स्वाभाविक हो गया है। साथियों बातें कर हम आलोचना और तारीफ के दृष्टिकोण से बात को समझने की करें तो भारत की आर्थिक वृद्धि के बावजूद उच्च आय वाले देशों विशेषकर यूरोप और उत्तरी अमेरिका,के साथ वीजा उदारीकरण सीमित रहा है।शेंगेन क्षेत्र,अमेरिका या कनाडा में वीजा प्रक्रिया अभी भी जटिल है। इससे पासपोर्ट की रैंक पर सीधा प्रभाव पड़ता है।तारीफ़ के दृष्टिकोण से देखें तो 2006 के बाद वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ी है। कई छोटे देशों जैसे यूएई ने आक्रामक कूटनीति से अपनी रैंक तेजी से सुधारी है।ऐसे में भारत का स्थिर प्रगति पथ भीमहत्वपूर्ण है। 75वीं रैंक यह संकेत देती है कि भारत गिरावट की लंबी अवधि से बाहर निकल रहा है। साथियों बात अगर हम क्षेत्रीय तुलना और दक्षिण एशिया का संदर्भ के एंगल से समझने की करें तो इंडेक्स में पाकिस्तान 97 वें स्थान पर है,जो पाकिस्तान की वैश्विक गतिशीलता की सीमाओं को दर्शाता है। वह फ़लेस्तिन (91), नार्थ कोरिया (94) और सोमालिया (96) से भी नीचे है। दक्षिण एशिया में भारत की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है, लेकिन वैश्विक औसत से अभी भी पीछे है। यह क्षेत्रीय स्थिरता, आर्थिक अवसरों और प्रवासन प्रवृत्तियों से जुड़ा मुद्दा है।पासपोर्ट की अवधारणा और राष्ट्रीय प्रतिष्ठा-पासपोर्ट केवल पहचान पत्र नहीं; यह राष्ट्र की साख का प्रतीक है। जब कोई देश अपने नागरिकों को बिना वीजा प्रवेश देता है, तो वह उस देश की सुरक्षा व्यवस्था,आर्थिक स्थिरता और नागरिकों की विश्वसनीयता पर भरोसा दर्शाता है। इस दृष्टि से भारत की रैंक में सुधार उसकी वैश्विक छवि में क्रमिक सकारात्मक बदलाव को दर्शाता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि उपलब्धि भी, चुनौती भी,हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2026 में भारत की 10 पायदान की छलांग प्रशंसनीय है।

असमानताओं पर प्रहार, समानता का विस्तारः एक सार्थक पुकार

ललित गर्ग

संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिवर्ष 20 फरवरी को मनाया जाने वाला विश्व सामाजिक न्याय दिवस आज के समय में केवल असमानताओं पर प्रहार एवं समानता के विस्तार की एक सार्थक पुकार का अंतरराष्ट्रीय आयोजन ही नहीं, बल्कि वैश्विक चेतना का आह्वान है। वर्ष 2026 में यह दिवस विशेष महत्व ग्रहण कर रहा है, क्योंकि विश्व तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था, तकनीकी संक्रमण, जलवायु संकट, राजनीतिक ध्रूवीकरण और सामाजिक असमानताओं के बीच नई संतुलित व्यवस्था की तलाश में है। इस वर्ष की थीम "समावेश को सशक्त बनानाः सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटना" हमें यह याद दिलाता है कि विकास तभी सार्थक है जब वह समावेशी हो और समावेशन तभी प्रभावी है जब वह न्यायपूर्ण हो। सामाजिक न्याय का अर्थ केवल अवसरों की समानता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस व्यापक व्यवस्था की स्थापना का आग्रह करता है जिसमें संसाधनों, अधिकारों और गरिमा का निष्पक्ष वितरण सुनिश्चित हो। जब तक समाज के अंतिम व्यक्ति को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा की समान उपलब्धता नहीं मिलती, तब तक प्रगति अधूरी है। 2026 की थीम विशेष रूप से उन समुदायों की भागीदारी पर बल देती है जो ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहे हैं-चाहे वे आर्थिक रूप से वंचित हों, सामाजिक रूप से उपेक्षित हों या राजनीतिक रूप से प्रतिनिधित्व से दूर हों। समावेशन का सशक्तिकरण केवल नीतिगत घोषणा नहीं, बल्कि निर्णय-प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता का अधिकार है। आज वैश्विक स्तर पर असमानताओं की खाई कई रूपों में दिखाई देती है। एक ओर तकनीकी क्रांति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोजगार के नए अवसर सृजित कर रही है, तो दूसरी ओर पारंपरिक श्रम-आधारित रोजगार असुरक्षित होते जा रहे हैं। डिजिटल विभाजन नई सामाजिक दूरी का कारण बन रहा है। ग्रामीण और शहरी, विकसित और विकासशील, पुरुष और महिला, सक्षम और दिव्यांग-इन सबके बीच संसाधनों की असमान पहुंच सामाजिक तनाव को जन्म देती है। ऐसे समय में सामाजिक न्याय का अर्थ है इन अंतरों को पहचानना और उन्हें पाटने के लिए लक्षित, संवेदनशील और पारदर्शी नीतियों का निर्माण करना। सम्मानजनक कार्य की अवधारणा भी सामाजिक न्याय के केंद्र में है। केवल रोजगार उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं, बल्कि ऐसा कार्य-संस्कृति बनाना आवश्यक है जिसमें उचित वेतन, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियां और श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित हो। आर्थिक विकास तभी टिकाऊ हो सकता है जब वह मानव गरिमा के साथ जुड़ा हो। यदि विकास केवल आंकड़ों में सीमित रह जाए और आम नागरिक के जीवन में राहत न ला सके, तो वह विकास नहीं, केवल विस्तार है। मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र इस युग की अनिवार्यता बन चुका है। कोविड-19 महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि संकट किसी भी समाज को अचानक अस्थिर कर सकता है। बेरोजगारी, स्वास्थ्य संकट और आर्थिक मंदी से निपटने के लिए सामाजिक सुरक्षा जाल का सुदृढ़ होना अत्यंत आवश्यक है। वृद्धजन, दिव्यांग, महिलाएं, बच्चे और असंगठित क्षेत्र के श्रमिक-इन सभी के लिए संरक्षित ढांचा ही न्यायपूर्ण समाज की नींव है। भारत जैसे विविधतापूर्ण लोकतंत्र में सामाजिक न्याय का विचार ऐतिहासिक और संवैधानिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। भारतीय संविधान ने समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों के माध्यम से एक ऐसे समाज की कल्पना की है जहां जाति, धर्म, लिंग या वर्ग के आधार पर भेदभाव न हो। आज भी सामाजिक न्याय का प्रश्न केवल आर्थिक असमानता तक सीमित नहीं है; यह सामाजिक पूर्वाग्रहों, लैंगिक भेदभाव, क्षेत्रीय असंतुलन और सांस्कृतिक असमानताओं से भी जुड़ा है। समकालीन भारत में सामाजिक न्याय के संदर्भ में विभिन्न सरकारी योजनाओं और पहलों के माध्यम से वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जा रहा है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक और नशा-पीड़ित व्यक्तियों के सशक्तिकरण हेतु अनेक योजनाएं संचालित की गई हैं। सरकार का दृष्टिकोण यह रहा है कि सामाजिक न्याय विभाजन की राजनीति नहीं, बल्कि समावेशन की नीति के माध्यम से स्थापित हो। "संतुष्टिकरण" बनाम "तुष्टिकरण" की अवधारणा इसी दिशा में एक वैचारिक संकेत है, जो समाज को जोड़ने की बात करती है। फिर भी चुनौतियां शेष हैं। महंगाई, बेरोजगारी, पर्यावरणीय संकट और बढ़ती जीवन-यापन लागत आम नागरिक के लिए वास्तविक कठिनाइयां उत्पन्न करती हैं। लोकतंत्र का उद्देश्य केवल चुनावी प्रक्रिया तक सीमित नहीं, बल्कि जनसंतोष और जनकल्याण सुनिश्चित करना है। यदि नागरिक स्वयं को असुरक्षित, असमान या उपेक्षित अनुभव करें, तो सामाजिक न्याय का आदर्श खोखला प्रतीत होने लगता है। आज आवश्यकता है कि सामाजिक न्याय को केवल राजनीतिक नारे के रूप में नहीं, बल्कि नैतिक दायित्व के रूप में देखा जाए। हमने आचरण की पवित्रता एवं पारदर्शिता की बजाय कदाचरण एवं अनैतिकता की कालिमा का लोकतंत्र बना रखा है। ऐसा लगता है कि धनतंत्र एवं सत्तातंत्र ने जनतंत्र को बंदी बना रखा है। हमारी न्याय-व्यवस्था कितनी भी निष्पक्ष, भव्य और प्रभावी हो, फ्रांसिस बेकन ने ठीक कहा था कि 'यह ऐसी न्याय-व्यवस्था है जिसमें एक व्यक्ति की यंत्रणा के लिये दस अपराधी दोषमुक्त और रिहा हो सकते हैं।' रोमन दार्शनिक सिसरो ने कहा था कि 'मनुष्य का कल्याण ही सबसे बड़ा कानून है।' लेकिन हमारे देश के कानून एवं शासन व्यवस्था को देखते हुए ऐसा प्रतीत नहीं होता, आम आदमी सजा का जीवन जीने को विवश है। सामाजिक न्याय के लिए सामाजिक एकता भंग नहीं की जा सकती। शासन और प्रशासन की प्रत्येक नीति का अंतिम लक्ष्य मानव कल्याण होना चाहिए। यदि शक्ति के स्रोत जनहित में प्रयुक्त न हों, तो वे असंतोष और अविश्वास को जन्म देते हैं। विश्व सामाजिक न्याय दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। क्या हमारा लोकतंत्र समानता का लोकतंत्र है या विभेद का? क्या हमारी स्वतंत्रता सबके लिए समान अवसर लेकर आई है या केवल कुछ वर्गों तक सीमित है? क्या हमारी नीतियां पारदर्शिता और नैतिकता पर आधारित हैं या वे जटिलता और असमानता को बढ़ा रही हैं? इन प्रश्नों का उत्तर ईमानदारी से खोजना ही इस दिवस की सार्थकता है। सामाजिक न्याय केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। जाति, धर्म, वर्ग और लिंग के भेद से ऊपर उठकर यदि नागरिक परस्पर सम्मान और सहयोग की भावना विकसित करें, तो सामाजिक ताने-बाने को सुदृढ़ किया जा सकता है। शिक्षा संस्थान, नागरिक संगठन, धार्मिक और सांस्कृतिक मंच-सभी को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। नई वैश्विक अर्थव्यवस्था में जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित ऊर्जा और डिजिटल नवाचार नए अवसर प्रदान कर रहे हैं, वहीं यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि इन अवसरों का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे।

मेष राशि : आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आप किसी बात को लेकर थोड़े उलझन में रहेंगे। आज आपके मन में कुछ नया करने की इच्छाएं जागृत होंगी। किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए परिस्थिति के अनुसार अपना व्यवहार रखें। इस राशि के छात्रों आज किसी प्रतियोगी परीक्षा के लिए फार्म भरने का मन बनायेंगे।

वृष राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। ऑफिस में किसी सहकर्मी से मदद मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में तरक्की होनी तय है। इस राशि की महिलाएं नए कपड़े खरीदने के लिए शॉपिंग के लिए जा सकती हैं। आप किसी काम में अच्छी परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया प्रयोग कर सकते हैं। ऑफिस में नई जिम्मेदारियां आपको मिलेंगी। माता-पिता आपकी मेहनत से खुश रहेंगे। आपको सभी काम में उनका आशीर्वाद मिलेगा।

मिथुन राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। दांपत्य रिश्ते में नई ताजगी महसूस करेंगे। आज पहले किये हुए किसी कार्य का लाभदायक परिणाम मिलाने से आपको ख़ुशी होगी। राजनीति से जुड़े लोगों आज जन संपर्क कर सकते हैं। आज आप महत्वपूर्ण काम पूरा करने में सफल होंगे, जो भविष्य में आपको बड़ा फायदा देने वाला रहेगा। ऑफिस में कलीग्स के साथ आपकी अच्छी तालमेल बनी रहेगी। सीनियर्स आपके काम से प्रसन्न होंगे।

कर्क राशिः आज का दिन महत्वपूर्ण रहेगा। आपकी सारी इच्छाएं पूरी होगी। स्वास्थ्य आज पहले से काफी अच्छा रहेगा। लवमेट के साथ शादी फिक्स हो सकती है। दोस्तों के साथ बाहर मूवी देखने का प्लान बन सकता है। बिजनेस के सिलसिले में आपका बाहर जाने का प्लान बन सकता है। घर में परिवार के साथ टाइम स्पेंड करने से रिश्तों में मजबूती बनी रहेगी।

सिंह राशिः आज आपका दिन ताजगी से भरा रहेगा। आज आपके मन में बहुत-सी सकारात्मक भावनाएं आयेंगी। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत बना रहेगा। बेहतर होगा आज सामानों की लिस्ट बनाकर ही बाजार जाएं। इस राशि के छात्रों को कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है। किसी नये कॉलेज में एडमिशन लेने के लिए आपको भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

कन्या राशिः आज आपका दिन सुनहरे पल लेकर आया है। आज परिवार का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। आज आप कुछ नया करने के लिए नए तरीके अपना सकते हैं। काम करने में आसानी होगी। शाम को बच्चों के साथ समय बिताने पर आप राहत महसूस करेंगे। आज आप अपने दोस्तों के साथ गोल्फ खेलने जा सकते हैं।

तुला राशिः आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा। बिना वजह घर के किसी सदस्य पर गुस्सा न करें। आज आपको किसी अपनों से धन की प्राप्ति होगी। किसी नए काम की शुरुआत पूरे उत्साह के साथ करें, लेकिन प्रयत्न में सतर्कता भी रखें। आज घर और काम में संतुलन बनाए रखेंगे। किसी व्यक्ति के प्रति चल रही नकारात्मक थिंकिंग आज समाप्त हो जायेगी।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपके रुके हुए काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। आज कई महत्वपूर्ण कामों में बदलाव भी होंगे। इस स्थिति में किस्मत आपका साथ देगी। आज अपने कामों में कामयाबी का परचम लहरायेंगे। आज खुद को मेंटली और फिजिकली फिट महसूस करेंगे।

धनु राशिः आज का दिन फेवरेबल रहेगा। इस राशि के राजनीतिक नेताओं के लिए आज का दिन अच्छा है। आप लवमेट को रिंग गिफ्ट कर सकते हैं। आज किसी कार्य में आ रही समस्याएं समाप्त हो जाने से कार्य तय समय पर पूरा हो जाएगा। लोगों का विश्वास आपके ऊपर बना रहेगा। जरूरतमंद को खाना खिलाने से आपका मन खुश रहेगा।

मकर राशिः आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा। आज सोचा हुआ काम पूरा हो जाने से आपको प्रसन्नता होगी। जिसके प्रभाव से आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आएगा। जॉब की तलाश कर रहे लोगों को आज रोजगार मिलने के योग बन रहे हैं। किसी नजदीकी रिश्तेदार के आने से घर में खुशियों का माहौल रहेगा।

कुंभ राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। अपने बिजनेस में नये प्रयोग करने में आप सफल होंगे। आज आप जो भी सोचेंगे, उसमें आपको सफलता मिलेगी। पहले किये गये कामों से भी आज बेहतर परिणाम प्राप्त होगा। अधिकारी वर्ग आपके काम की तारीफ करेंगे।

मीन राशिः आज का दिन कॉन्फिडेंस के साथ शुरू होगा। कार्यस्थल पर लोगों द्वारा प्राप्त हो रही जानकारी का इस्तेमाल अपने काम को बेहतरीन बनाने के लिए करने की आवश्यकता है। आज का दिन बाहर घूमने-फिरने में बीतेगा। परिवारवालों के साथ मनोरंजन के लिए कहीं ट्रिप का प्लान बना सकते हैं, सभी सदस्यों में उत्साह बना रहेगा।

रोबोडॉग प्रकरणः प्रमाणन की होड़ में दम तोड़ती अकादमिक गुणवत्ता

डॉ. प्रियंका सौरभ

गलगोटिया यूनिवर्सिटी में रोबोडॉग के प्रदर्शन से जुड़ा हालिया विवाद सोशल मीडिया और मुख्यधारा मीडिया में व्यापक चर्चा का विषय बना। सतह पर यह मामला उपयुक्तता, प्राथमिकताओं या कैंपस संस्कृति से जुड़ा प्रतीत होता है, लेकिन वास्तविकता में यह भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था में वर्षों से पनप रहे गहरे और संरचनात्मक संकट का केवल एक लक्षण है। समस्या रोबोडॉग नहीं है। समस्या यह है कि हमारे विश्वविद्यालय धीरे-धीरे क्या बनते चले गए हैं। पिछले दो दशकों में भारत में उच्च शिक्षा का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। निजी विश्वविद्यालयों, स्ववित्तपोषित कॉलेजों और डिग्री संस्थानों की संख्या तेज़ी से बढ़ी है। इस विस्तार को अक्सर शिक्षा तक पहुँच बढ़ने और जनसांख्यिकीय लाभ के रूप में प्रस्तुत किया गया। लेकिन जब यह विस्तार समानांतर नियमन, अकादमिक कठोरता और जवाबदेही के बिना हुआ तो इसकी क़ीमत गुणवत्ता को चुकानी पड़ी। परिणाम यह हुआ कि मात्रा बढ़ी पर गुणवत्ता लगातार गिरती चली गई। आज देश के अधिकांश-हालाँकि सभी नहीं—निजी विश्वविद्यालय और डिग्री कॉलेज शिक्षा के केंद्र कम और डिग्री वितरण केंद्र अधिक बन गए हैं। शिक्षा एक बौद्धिक प्रक्रिया नहीं बल्कि लेन-देन बनती जा रही है- पैसे के बदले डिग्री। उपस्थिति, अकादमिक भागीदारी, प्रयोगशाला कार्य और बौद्धिक अनुशासन जैसी बातें अब अनिवार्य नहीं रहीं, बल्कि समझौते के दायरे में आ गई हैं। जो कभी उच्च शिक्षा में गैर-समझौतावादी हुआ करता था, वह अब लचीला, कमजोर और विकृत हो चुका है। यह गिरावट विशेष रूप से उन विषयों में चिंताजनक है जहाँ कठोरता अनिवार्य है। सैद्धांतिक पढ़ाई का कमजोर होना एक बात है, लेकिन विज्ञान शिक्षा का खोखला हो जाना कहीं अधिक गंभीर है। आज स्थिति यह है कि छात्र बिना नियमित कक्षाओं में गए और बिना प्रयोगशाला में व्यावहारिक प्रशिक्षण लिए विज्ञान जैसे विषयों में स्नातक और परास्नातक डिग्रियाँ प्राप्त कर रहे हैं। प्रयोगात्मक कार्य- जो कभी वैज्ञानिक प्रशिक्षण की रीढ़ हुआ करता था—अब औपचारिकता बनकर रह गया है। डिग्रियाँ तो दी जा रही हैं लेकिन दक्षता सुनिश्चित नहीं की जा रही। इस खोखलेपन के परिणाम तब स्पष्ट होते हैं जब छात्र नौकरी के लिए सामने आते हैं। रसायन विज्ञान में परास्नातक छात्र बुनियादी वैज्ञानिक अवधारणाएँ नहीं समझा पाता। कॉमर्स स्नातक डेबिट और क्रेडिट की मूल अवधारणा स्पष्ट नहीं कर पाता। प्रबंधन की डिग्री रखने वाला छात्र समस्या-समाधान और आलोचनात्मक सोच में कमजोर दिखाई देता है। ये कोई इक्का-दुक्का उदाहरण नहीं बल्कि उद्योग जगत द्वारा बार-बार देखी जा रही सामान्य प्रवृत्तियाँ हैं। स्वाभाविक रूप से इससे छात्रों और अभिभावकों में निराशा पैदा होती है। वर्षों की पढ़ाई और भारी आर्थिक निवेश के बावजूद जब रोजगार नहीं मिलता तो सवाल उठते हैं। माता-पिता यह पूछने में बिल्कुल सही होते हैं कि पढ़ाई के बाद भी बच्चा बेरोज़गार क्यों है। अक्सर इस असंतोष का निशाना सरकार बनती है, जिस पर रोजगार सृजन न कर पाने का आरोप लगाया जाता है। हालाँकि रोजगार सृजन एक नीतिगत चुनौती है लेकिन यह विमर्श एक असहज सच्चाई को नज़रअंदाज़ कर देता है कि बड़ी संख्या में स्नातक वास्तव में रोजगार योग्य ही नहीं हैं। यहीं से मूल प्रश्न जन्म लेता है। यदि छात्रों में आवश्यक ज्ञान और कौशल नहीं है तो उन्हें योग्य घोषित करने वाली डिग्रियाँ उन्हें कैसे मिल गईं? ऐसी संस्थाओं को बिना अकादमिक गुणवत्ता सुनिश्चित किए प्रमाणपत्र बाँटने की अनुमति किसने दी? इसका उत्तर हमें उच्च शिक्षा के नियामक ढाँचे में मिलता है। भारत में उच्च शिक्षा की देखरेख कई मंत्रालयों, विभागों और नियामक संस्थाओं द्वारा की जाती है, जिनका घोषित उद्देश्य मानकों की रक्षा, गुणवत्ता सुनिश्चित करना और अकादमिक ईमानदारी बनाए रखना है। मान्यता प्रणालियाँ, निरीक्षण, मूल्यांकन और अकादमिक ऑडिट इसी उद्देश्य से बनाए गए थे। लेकिन व्यवहार में ये प्रक्रियाएँ अक्सर वास्तविक मूल्यांकन की बजाय औपचारिक अनुष्ठान बनकर रह गई हैं। निरीक्षण प्रायः पूर्व निर्धारित होते हैं। दस्तावेज़ औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए सजाए जाते हैं। इमारतों और बुनियादी ढाँचे को शिक्षण गुणवत्ता पर प्राथमिकता दी जाती है। अनुपालन को सीखने के परिणामों से ऊपर रखा जाता है। छात्रों का वास्तविक अकादमिक अनुभव, शिक्षण की गुणवत्ता, परीक्षा की कठोरता और जिज्ञासा की संस्कृति- इन पर गंभीर और निरंतर निगरानी शायद ही होती है। नतीजतन, संस्थान शिक्षा सुधारने के बजाय नियामकों को "मैनेज" करना सीख लेते हैं। इस नियामक शिथिलता ने एक दुष्चक्र को जन्म दिया है- संस्थान न्यूनतम अकादमिक जवाबदेही के साथ चलते रहते हैं, नियामक निगरानी का आभास बनाए रखते हैं और डिग्रियाँ लगातार जारी होती रहती हैं। इस व्यवस्था की क़ीमत न तो संस्थान चुकाते हैं, न ही नियामक बल्कि छात्र, नियोक्ता और समाज चुकाता है। विडंबना यह है कि एक ओर उद्योग जगत योग्य मानव संसाधन की कमी की शिकायत करता है, वहीं दूसरी ओर देश शिक्षित बेरोज़गारी के गंभीर संकट से जूझ रहा है। यह कोई विरोधाभास नहीं बल्कि उस व्यवस्था का स्वाभाविक परिणाम है जहाँ प्रमाणपत्र को क्षमता से ऊपर रखा गया है। कंपनियाँ नए कर्मचारियों को फिर से प्रशिक्षित करने पर भारी ख़र्च करने को मजबूर हैं, जबकि युवा पेशेवर आत्मविश्वास की कमी और करियर ठहराव से जूझते हैं। इस व्यवस्था का सबसे बड़ा शिकार वे ईमानदार और प्रतिभाशाली छात्र हैं, जो अक्सर विकल्पों की कमी या भ्रामक ब्रांडिंग के कारण औसत संस्थानों में दाख़िला ले लेते हैं। वे मेहनत करते हैं, सीखना चाहते हैं लेकिन अंततः उन्हें अपनी काबिलियत से ज़्यादा अपनी मार्कशीट पर दर्ज संस्थान के नाम का बोझ उठाना पड़ता है। उनकी व्यक्तिगत योग्यता संस्थागत विश्वसनीयता की कमी में दब जाती है। यह केवल अन्याय नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा की बर्बादी है। यह स्वीकार करना होगा कि भारत में आज भी कुछ उच्च-गुणवत्ता वाले संस्थान मौजूद हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करते हैं। लेकिन वे अपवाद हैं, नियम नहीं। उल्लेखनीय है कि बारहवीं तक की स्कूली शिक्षा आज भी अपेक्षाकृत अधिक संरचित और नियंत्रित है। जैसे ही छात्र उच्च शिक्षा में प्रवेश करता है, निगरानी ढीली पड़ जाती है और अपेक्षाएँ धुंधली हो जाती हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

सुपर-8 मुकाबलों के लिए करने होंगे सुधार : सूर्यकुमार

एजेंसी,अहमदाबाद

भारतीय क्रिकेट टीम को नीदरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप क्रिकेट के अपने अंतिम मुकाबले में 17 रनों से जीत मिली पर कप्तान सूर्यकुमार यादव इससे संतुष्ट नहीं हैं। सूर्यकुमार का कहना है कि सुपर-8 से पहले सब कुछ सही है ये नहीं कहा जा सकता। टीम को अभी कुछ सुधार भी करने हैं। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट खोकर 193 रन बनाए। वहीं इसके बाद एसोसिएट डच टीम ने भी सात विकेट पर 176 रन बनाये। इसी को देखते हुए कप्तान ने कहा कि जीत में भी सीख मिलती है, हमें और कसी गेंदबाजी करनी चाहिये थी। उन्होंने कहा कि पूरी तरह गेंदबाजों को भी दोष नहीं दिया जा सकता है क्योंकि ओसा काफी अधिक थी। जिससे भी गेंदबाजों को परेशानी हुई। उन्होंने सुपर आठ को लेकर कहा, 'शुरुआत थोड़ी धीमी हो सकती है पर सभी बल्लेबाजों के लिए यह समझना बहुत जरूरी है कि उनकी जिम्मेदारी क्या है और बीच के ओवरों में विकेट कैसा बर्ताव कर सकता है। इसके बाद हमारे पास ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल या वाशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ी हैं, जो मैच को अच्छी तरह समाप्त कर सकते हैं।' सुपर-8 को लेकर पूछे एक सवाल पर उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं कह सकते कि सब कुछ पूरी तरह से सही था। जीत में भी कई प्रकार की सीख मिलती है और हमने कुछ चीजें सीखी हैं। अब हम आगे के मैचों को लेकर विचार-विमर्श करेंगे।' वहीं कप्तान ने मैच में 31 गेंदों पर 66 रन बनाने वाले शिवम की जमकर प्रशंसा की है। अपनी पारी में इस बल्लेबाज ने 6 छक्कों और 4 चौकों के साथ 66 रन बनाए। सूर्या ने कहा कि शिवम ने जिस तरह मिडिल ओवर्स में बल्लेबाजी की, उससे सभी पर से दबाव हट गया था। टीम के पास अंतिम ग्यारह के लिए कई विकल्प हैं जिनको लेकर भी कप्तान ने खुशी जतायी और कहा कि बीच के ओवरों के लिए उनके पास गेंदबाजी के लिए अभिषेक शर्मा, हार्दिक पंड्या और शिवम जैसे खिलाड़ी हैं। नीदरलैं के खिलाफ सूर्या ने 28 गेंदों में 34 रन बनाए और अपनी इस पारी से वह संतुष्ट दिखे। कप्तान के अनुसार टीम के साथ सकारात्मक बात ये है कि सभी लोग बल्लेबाजी में अपना योगदान दे रहे हैं।

खेलो इंडिया विंटर गेम्स के जरिए गुलमर्ग में दिखेगा 'खेलो भारत नीति' का असली असर

एजेंसी, गुलमर्ग

खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026 के गुलमर्ग चरण में 23 से 26 फरवरी तक 'खेलो भारत नीति' का वास्तविक स्वरूप देखने को मिलेगा। केंद्रीय खेल मंत्रालय की इस नीति का उद्देश्य खेलों के माध्यम से पर्यटन, बुनियादी ढांचे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। गुलमर्ग में होने वाले इन खेलों में देश के शीर्ष स्कीयर, जिनमें शीतकालीन ओलंपियन भी शामिल हैं, भाग लेंगे। इस आयोजन से न केवल खेल प्रतिभाओं को मंच मिलेगा, बल्कि खेल पर्यटन को भी बड़ा बढ़ावा मिल रहा है। फरवरी के तीसरे सप्ताह में पर्यटकों की बढ़ती रुचि इस बात का संकेत है कि विंटर गेम्स क्षेत्र की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी राहत लेकर आए हैं।

पर्यटन और स्थानीय कारोबार को नई ऊर्जा- स्थानीय होटल व्यवसायी अबीद, जो टंगमर्ग स्थित 'शीन वुड्स' होटल से जुड़े हैं, बताते हैं कि खेलों से कई सप्ताह पहले ही बुकिंग तेज हो गई थी। उनके अनुसार, "यह सिर्फ पर्यटन नहीं, हमारी पहचान है। जब खेल होते हैं तो गुलमर्ग देश का दिल बन जाता है।" होटल की लॉबी में मध्य प्रदेश, हरियाणा, केरल, तेलंगाना और जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ी ठहरे हुए हैं, जिससे यहां विविधता और उत्साह का माहौल है। पर्यटन विभाग के अनुसार, गुलमर्ग में होटलों और हट्स में करीब 2300 बिस्तरों की व्यवस्था है, जिनमें से 50 प्रतिशत से अधिक की अग्रिम बुकिंग हो चुकी है। आधिकारिक आंकड़े मार्च के अंत में जारी होंगे, लेकिन विभाग का कहना है कि इस वर्ष पर्यटकों की संख्या 2025 के आंकड़ों को पार कर चुकी है।

कठिन दौर के बाद वापसी- अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद कश्मीर में पर्यटन प्रभावित हुआ था। 2024 में जहां लगभग 26 लाख पर्यटक आए थे, वहीं 2025 में यह संख्या घटकर लगभग 10.47 लाख रह गई। हालांकि नए साल के बाद और खेलो इंडिया विंटर गेम्स की तैयारियों के साथ पर्यटकों की आवाजाही में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है।

खेल और आजीविका का संगम- इस बार गुलमर्ग में स्की माउंटेनियरिंग, अल्पाइन स्कीइंग, नॉर्डिक (क्रॉस-कंट्री) स्कीइंग और स्नोबोर्डिंग की चार पदक स्पर्धाएं होंगी। ढलानों पर स्थानीय स्लेज खींचने वाले मजदूरों के चेहरे पर भी खुशी साफ झलक रही है। अल्ताफ हुसैन और मोहम्मद रफीक जैसे श्रमिक प्रति पर्यटक 500 से 1500 रुपये तक कमाते हैं और खेलों के दौरान उनकी आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होती है।23 फरवरी से शुरू होने वाले ये खेल न केवल खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों के लिए उत्सव साबित होंगे, बल्कि हिमालय की गोद में बसे गुलमर्ग के निवासियों के लिए भी आर्थिक और सामाजिक नई उम्मीद लेकर आएंगे।

रोनाल्डो की गैरमौजूदगी में अल नासर ने एएफसी चैंपियंस लीग-2 के क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी, रियाद

पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की गैरमौजूदगी में सऊदी अरब के क्लब अल नासर ने एएफसी चैंपियंस लीग-2 फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। अल नासर ने तुर्कमेनिस्तान के क्लब आर्कादाग को 1-0 से हराकर दो मुकाबलों के कुल योग में 2-0 से जीत दर्ज की। 41 वर्षीय रोनाल्डो इस मुकाबले में टीम का हिस्सा नहीं थे और स्टैंड्स से मैच देखते नजर आए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्हें सऊदी प्रो लीग और एएफसी चैंपियंस लीग-2 के आगामी अहम मुकाबलों को ध्यान में रखते हुए आराम दिया गया है। दिसंबर 2022 में रियाद स्थित अल नासर से जुड़ने के बाद वह अब तक कोई बड़ा खिताब नहीं जीत पाए हैं। क्वार्टरफाइनल में अल नासर का सामना संयुक्त अरब अमीरात के क्लब अल वस्ल से होगा। दोनों टीमों के बीच पहला मुकाबला 3 मार्च को खेला जाएगा। वहीं, शीर्ष स्तरीय एएफसी चैंपियंस लीग एलीट टूर्नामेंट में पूर्वी क्षेत्र से जापान के तीन और दक्षिण कोरिया के दो क्लब अंतिम-16 चरण में पहुंचे हैं। मलेशिया का जोहोर दारुल ताज़िम और थाईलैंड का बुरिराम यूनाइटेड भी अगले दौर में पहुंचने में सफल रहे, जबकि ऑस्ट्रेलिया का मेलबर्न सिटी 2016 के बाद अंतिम-16 में जगह बनाने वाली दूसरी ऑस्ट्रेलियाई टीम बना। पश्चिमी क्षेत्र में सऊदी अरब के क्लबों का दबदबा देखने को मिला। अल हिलाल, अल अहली और अल इत्तिहाद शीर्ष चार में रहे। ईरान का ट्रैक्टर क्लब तीसरे स्थान पर रहा, जबकि कतर के अल दुहैल और अल साद के साथ अल वहदा ने भी अंतिम-16 में जगह बनाई। अंतिम-16 के पहले चरण के मुकाबले 2 और 3 मार्च को खेले जाएंगे।

कतर ओपन : अल्कराज और सिनर सीधे सेटों में जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

एजेंसी, दोहा

कतर ओपन 2026 टेनिस टूर्नामेंट में स्पेन के स्टार खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज और इटली के यानिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सीधे सेटों में जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। विश्व नंबर एक अल्कराज ने फ्रांस के वेलेंटिन रोयर को 6-2, 7-5 से हराया। इस जीत के साथ उन्होंने वर्ष 2025 में अपनी लगातार नौवीं जीत दर्ज की। दूसरे सेट में 2-5 से पीछे होने के बावजूद अल्कराज ने जबरदस्त वापसी करते हुए लगातार पांच गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इससे पहले वह इस महीने ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे। अब 22 वर्षीय अल्कराज का सामना सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए रूस के सातवीं वरीयता प्राप्त करेन खाचानोव से होगा। दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक हुए मुकाबलों में अल्कराज का पलड़ा भारी रहा है। वहीं, विश्व नंबर दो यानिक सिनर ने ऑस्ट्रेलिया के एलेक्सी पोपिरिन को 6-3, 7-5 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया। यह ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में हार के बाद उनका पहला टूर्नामेंट है। सिनर ने मैच में दमदार सर्विस का प्रदर्शन किया और पूरे मुकाबले में अपने प्रतिद्वंद्वी को ब्रेक प्वाइंट का मौका नहीं दिया। शीर्ष-50 से बाहर के खिलाड़ियों के खिलाफ उनकी जीत का सिलसिला अब 50 मैचों तक पहुंच गया है। अन्य मुकाबलों में ग्रीस के स्टेफानोस सित्सिपास ने पूर्व विश्व नंबर एक रूस के दानिल मेदवेदेव को 6-3, 6-4 से हराकर पिछले वर्ष बार्सिलोना ओपन के बाद पहली बार क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई।

हरमनप्रीत कौर बनीं महिला क्रिकेट की सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली खिलाड़ी

एजेंसी, कैनबरा

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इतिहास रचते हुए महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक मैच खेलने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रृंखला के दूसरे मुकाबले में मैदान पर उतरते ही उन्होंने यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। 19 फरवरी को अपना 356वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए हरमनप्रीत ने न्यूज़ीलैंड की दिग्गज खिलाड़ी सुजी बेट्स को पीछे छोड़ दिया। इसके साथ ही वह महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास की सबसे अधिक मैच खेलने वाली खिलाड़ी बन गईं। सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलने वाली खिलाड़ियों की सूची में ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी (349 मैच) तीसरे स्थान पर हैं। भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज ने 333 मैच खेले हैं, जबकि इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स ने 309 मुकाबलों में देश का प्रतिनिधित्व किया। इसके अलावा सोफी डिवाइन (305), हीथर नाइट (303) और डैनी व्याट-होज (302) भी इस सूची में शामिल हैं। 36 वर्षीय हरमनप्रीत कौर अब तक 6 टेस्ट, 161 वनडे और 189 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुकी हैं। टेस्ट में उन्होंने 200 रन बनाए हैं, जबकि वनडे में उनके नाम 4,409 रन और टी20 अंतरराष्ट्रीय में 3,784 रन दर्ज हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के अलावा हरमनप्रीत ने 35 महिला प्रीमियर लीग, 62 महिला बिग बैश लीग और 10 द हंड्रेड प्रतियोगिता के मुकाबले भी खेले हैं। उल्लेखनीय है कि उनकी कप्तानी में भारतीय महिला टीम ने 2025 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में 52 रन से हराकर पहली बार विश्व खिताब जीता था। दूसरे टी20 मुकाबले के टॉस के दौरान इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए हरमनप्रीत ने कहा, "यह मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। उम्मीद है कि मैं टीम के लिए इसी तरह मेहनत करती रहूं और जितना संभव हो सके, खेलती रहूं।"

व्यापार

वोडाफोन आइडिया ने पेश किए अनलिमिटेड डेटा प्लान

नई दिल्ली। अपने पोस्टपेड ग्राहकों के लिए वोडाफोन आइडिया ने लिमिटलेस यानी अनलिमिटेड डेटा प्लान पेश किए हैं। ये प्लान 4जी और 5जी दोनों नेटवर्क पर उपलब्ध हैं और इन्हें फिलहाल आंध्र प्रदेश सर्किल में शुरू किया गया है। नए प्लान की कीमतें 451 रुपये से 1201 रुपये तक रखी गई हैं। कंपनी के मुताबिक, इन प्लान्स में अनलिमिटेड डेटा के साथ ओटीटी सेवाएं और कॉलिंग बेनेफिट्स भी शामिल हैं, जिनके बदलाव अब कंपनी की वेबसाइट पर दिखाई देने लगे हैं। वीआई मेक्स 451 पोस्टपेड प्लान सबसे किफायती विकल्प है, जिसमें अनलिमिटेड कॉलिंग, 3000 एसएमएस, 50जीबी डेटा और 200जीबी तक डेटा रोलओवर की सुविधा मिलती है। खास बात यह है कि 50जीबी डेटा खत्म होने के बाद भी यूजर्स को अनलिमिटेड 5जी डेटा मिलेगा। साथ ही रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक अनलिमिटेड नाइट डेटा भी उपलब्ध है। यूजर एक ओटीटी सब्सक्रिप्शन चुन सकते हैं, जिनमें डिज्नी प्लस हॉटस्टार, सोनी लाइव और सन एनएक्सटी शामिल हैं।वीआई मेक्स 551 प्लान में यूजर्स को 90जीबी डेटा और 200जीबी तक डेटा रोलओवर मिलता है। इसके अतिरिक्त, प्लान में अनलिमिटेड कॉल्स, 3000 एसएमएस, अनलिमिटेड नाइट डेटा और अनलिमिटेड 5G जारी रहता है। इस प्लान में 6 महीने तक अमेजन प्राइम और 12 महीने तक सोनी लाइव व डिज्नी प्लस हॉटस्टार मोबाइल सब्सक्रिप्शन जैसे फायदे भी दिए गए हैं। वीआई मेक्स 751 प्लान में 150जीबी डेटा उपलब्ध है, साथ ही अनलिमिटेड कॉल्स, 3000 एसएमएस और नाइट डेटा का लाभ भी मिलता है। इस प्लान में यूजर अपनी जरूरत के अनुसार ओटीटी या लाइफस्टाइल बेनेफिट्स में से तीन विकल्प चुन सकते हैं।

नई रेनो डस्टर मार्च में होगी लॉन्च, बुकिंग प्रारंभ

नई दिल्ली। भारत में बहुप्रतीक्षित नई रेनाल्ट डस्टर अब प्री-बुकिंग के लिए उपलब्ध हो गई है। इस कार को ग्राहक मात्र रुपए 21,000 की टोकन राशि देकर बुक कर सकते हैं। कंपनी की इसे मार्च में बाजार में उतारने की तैयारी है। इस बार डस्टर पूरी तरह नए, हाई-टेक और प्रीमियम अवतार में आ रही है, जो इसे मिड-साइज एसयवूी सेगमेंट में और ज्यादा प्रतिस्पर्धी बना देगी। नई डस्टर का बाहरी डिजाइन पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा फ्यूचरिस्टिक और मजबूत है। इसमें फुल एलईडी हेडलैंप और एलईडी टेललैंप सेटअप, 18-इंच डायमंड-कट अलॉय व्हील्स, बड़े स्किड प्लेट्स, व्हील आर्च क्लैडिंग और 212 मिमी का ग्राउंड क्लीयरेंस दिया गया है। इसकी 25.7 डिग्री अप्रोच और 29.2डिग्री डिपार्चर एंगल इसे ऑफ-रोडिंग के लिए भी सक्षम बनाते हैं। साथ ही 50 किलो क्षमता वाली रूफ रेल्स इसे एडवेंचर ट्रिप्स के लिए भी उपयुक्त बनाती हैं। इंटीरियर की बात करें तो इसका केबिन हाई-टेक फीचर्स से लैस है। इसमें 10.25-इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, 10.1-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, गूगल बिल्ट-इन सपोर्ट, गूगल प्ले से ऐप डाउनलोड की सुविधा, 4 यूएसबी टाइप-सी पोर्ट, वायरलेस चार्जर, पावर टेलगेट और 518 लीटर का बूट स्पेस मिलता है। आराम के लिए ड्यूल-जोन ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, 6-वे पावर एडजस्टेबल फ्रंट सीट्स, वेंटिलेटेड सीट्स, पीएम 2.5 एयर फिल्टर और इलेक्ट्रिक पैनोरमिक सनरूफ भी दिए गए हैं।

रिलायंस के साथ जियो एआई में 10 लाख करोड़ रुपये का करेगा निवेशः मुकेश अंबानी

नई दिल्ली। देश के दिग्गज उद्योगपति एवं रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी ने गुरुवार को ऐलान किया कि उनका समूह कृत्रिम मेधा (एआई) में सात साल के भीतर 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा। अंबानी ने कहा कि दुनिया एआई को लेकर दोराहे पर खड़ी है, जहां एक रास्ता दुर्लभ, महंगी एआईऔर नियंत्रित डेटा की ओर ले जाता है, जबकि दूसरा रास्ता सस्ती एवं सुलभ एआई सुनिश्चित करता है। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 'इंडिया एआई इंपैक्ट समिट' में अपने संबोधन में मुकेश अंबानी ने कहा कि एआई का सर्वश्रेष्ठ रूप अभी आना बाकी है। उन्होंने कहा कि एआई में अपार समृद्धि का युग लाने की क्षमता है। ग्लोबल एआई इंपैक्ट समिट भारत के टेक इतिहास में एक अहम पल है। एक ऐसा पल जब भारत एआई को अपने विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए ड्राइविंग फोर्स में से एक बनाने का वादा करता है और 2047 तक पूरी तरह से विकसित देश बनने का सपना है। मुकेश अंबानी ने कहा कि जियो, रिलायंस के साथ मिलकर इस साल से अगले सात वर्ष में 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगी। यह कोई सट्टा निवेश नहीं है। यह मूल्य वृद्धि के लिए नहीं है। यह धैर्यपूर्ण, अनुशासित राष्ट्र निर्माण में लगाई जा रही पूंजी है। उन्होंने कहा कि एआई में सबसे बड़ी बाधा प्रतिभा की कमी नहीं, बल्कि 'कंप्यूटिंग' की उच्च लागत है। इसमें गीगावाट क्षमता वाले डेटा सेंटर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जियो ने भारत को इंटरनेट युग से जोड़ा और अब यह इसे बुद्धिमता के युग से जोड़ेगी। मुकेश अंबानी ने कहा कि हम हर नागरिक, हर क्षेत्र एवं सामाजिक विकास के हर पहलू तक बुद्धिमता (एआई) पहुंचाएंगे। जियो यह सब उसी विश्वसनीयता, व्यापकता और बेहद किफायती कीमत के साथ करेगा, जिससे उसने संपर्क क्षेत्र (मोबाइल डेटा) में क्रांति ला दी थी। अंबानी ने कहा कि हम बहुत सम्मानित महसूस कर रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समिट के गाइड, फिलॉसफर और लीडर हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री अश्विनी वैष्णव और उनकी शानदार टीम भारत की महत्वाकांक्षा के हिसाब से इस समिट को इतने बड़े पैमाने पर ऑर्गनाइज़ करने के लिए पूरी तारीफ़ के हकदार हैं। अंबानी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का एआई पावर्ड विकसित भारत का विजन भी विकसित वैश्विक दक्षिण के लिए एक खाका है। उन्होंने आगे कहा कि अगर समझदारी से इस्तेमाल किया जाए, तो मेरा मानना है कि एआई बहुत ज्यादा चीजों के युग की शुरुआत कर सकता है। गरीबी रहित दुनिया और हमारे खूबसूरत ग्रह पर सभी 8 अरब लोगों के लिए खुशहाली का भविष्य अब नजर में है, पहुंच में है।

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 149 अंक उछला

नई दिल्ली। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को शेयर बाजार हरे निशान पर बढ़त के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेज (बीएसई) का सेंसेक्स 147.46 अंक यानी 0.18 फीसदी उछलकर 83,881.17 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सेंचज एनएसई का निफ्टी 50.55 अंक यानी 0.20 फीसदी बढ़कर 25,869.90 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान एआई समिट के प्रभाव से आईटी सेक्टर आज सबसे ज्यादा बढ़त बनाने वाला सेक्टर रहा, जिसमें 1 फीसदी की तेजी देखी गई है। इसके अलावा मेटल शेयरों में भी 0.60 फीसदी की मजबूती दिखी है। वहीं, बैंकिंग सेक्टर में थोड़ा दबाव दिखा और निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.15 फीसदी की गिरावट के साथ टॉप लूजर रहा। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले बुधवार को बीएसई का सेंसेक्स 283.29 अंक यानी 0.34 फीसदी उछल कर 83,734.25 पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 93.95 अंक यानी 0.37 फीसदी की बढ़कर 25,819.35 पर बंद हुआ था।

चिप कंपनी क्वालकॉम भारतीय स्टार्टअप्स के सपोर्ट के लिए 150 मिलियन डॉलर निवेश करेगी

नई दिल्ली। दिग्गज अमेरिकी चिप कंपनी क्वालकॉम ने सभी प्रकार के भारतीय स्टार्टअप्स के सपोर्ट के लिए 150 मिलियन डॉलर निवेश करने का ऐलान कर दिया है। क्वालकॉम कंपनी ने कहा कि इसके जरिए उनकी कोशिश भारत में बढ़ती टेक्नोलॉजी और स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देना है। इसमें प्रमुख फोकस ऑटोमौटिव के लिए एआई, आईओटी, रोबोटिक्स और मोबाइल टेक्नोलॉजी पर होगा। क्वालकॉम के प्रेसिडेंट और सीईओ क्रिस्टियानो एमोन ने कहा, क्वालकॉम अपने नए स्ट्रेटेजिक एआई वेंचर फंड के माध्यम से उन कंपनियों में निवेश कर रहा है जो भारत में एआई के अगले अध्याय को आगे बढ़ा रही हैं। अमोन ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक नए चरण में प्रवेश कर रही है, जहां इंटेलिजेंस सीधे उन उपकरणों और प्रणालियों में अंतर्निहित होगी जिन पर लोग प्रतिदिन निर्भर रहते हैं, चाहे वे स्मार्टफोन और पीसी, कारें, औद्योगिक मशीनें और रोबोट आदि हों। इससे अधिक समृद्ध और सार्थक अनुभव प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि यह बदलाव संपूर्ण उद्योगों को नया रूप देगा। अमोन ने कहा कि भारत में सभी क्षेत्रों में एआई इनोवेशन को बढ़ावा देने में स्टार्टअप इकोसिस्टम की महत्वपूर्ण भूमिका है। कंपनी ने बताया कि यह वेंचर फंड भारत के तकनीकी परिदृश्य के प्रति क्वालकॉम की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता रेखांकित करता है और यह वैश्विक स्तर पर अत्याधुनिक एआई को आगे बढ़ाने में कंपनी के नेतृत्व के अनुरूप है। दरअसल क्वालकॉम का लक्ष्य उभरती कंपनियों को परिवर्तनकारी, बाजार में अग्रणी समाधान विकसित करने में मदद करना है, इसके लिए वह संस्थापकों को अपनी गहन तकनीकी विशेषज्ञता और वैश्विक उद्योग नेटवर्क तक पहुंच प्रदान करके नवाचार को गति प्रदान करती है। कंपनी ने अपने बयान में बताया कि क्वालकॉम 2007 से भारत के स्टार्टअप समुदाय में निवेश कर रहा है और उसने मैपमाईइंडिया (डिजिटल मानचित्र और नेविगेशन समाधान प्रदाता), आइडियाफोर्ज (ड्रोन प्रौद्योगिकी में अग्रणी) आदि जैसी 40 से अधिक कंपनियों का समर्थन किया है।

सोने और चांदी की कमजोर शुरुआत

सोना 629 रुपए की गिरावट पर खुला, चांदी में 1,829 की गिरावट

नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमतों में गुरुवार को गिरावट देखी जा रही है। घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दोनों की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट 629 रुपये की गिरावट के साथ 1,55,132 रुपये पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 1,55,761 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह 217 रुपये की कमजोरी के साथ 1,55,544 रुपये पर कारोबार कर रहा था। दिन के दौरान इसने 1,55,544 रुपये का उच्च और 1,55,116 रुपये का निचला स्तर छुआ। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष सोना 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच चुका है। चांदी का मार्च कॉन्ट्रैक्ट 1,829 रुपये की गिरावट के साथ 2,42,439 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 2,44,268 रुपये था। कारोबार के दौरान यह 268 रुपये टूटकर 2,44,000 रुपये पर ट्रेड करता दिखा। दिन में चांदी ने 2,44,563 रुपये का उच्च और 2,42,439 रुपये का निचला स्तर दर्ज किया। इस साल चांदी 4,20,048 रुपये प्रति किलो के उच्चतम स्तर को छू चुकी है। वैश्विक बाजार कॉमेक्स पर भी दोनों की कीमतों में दबाव देखा गया। सोना 4,993.70 डॉलर प्रति औंस पर खुला और बाद में 20 डॉलर गिरकर 4,989.50 डॉलर पर कारोबार करता नजर आया। इस

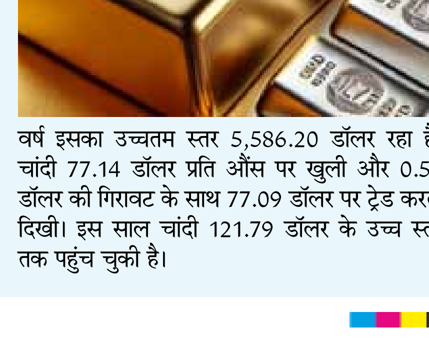

वर्ष इसका उच्चतम स्तर 5,586.20 डॉलर रहा है। चांदी 77.14 डॉलर प्रति औंस पर खुली और 0.50 डॉलर की गिरावट के साथ 77.09 डॉलर पर ट्रेड करती दिखी। इस साल चांदी 121.79 डॉलर के उच्च स्तर तक पहुंच चुकी है।

फिल्म कैनेडी बदल देगी आपका करियर, सनी लियोन ने साझा किए फिल्म से जुड़े अनुभव

एक्ट्रेस सनी लियोन जल्द ही अनुराग कश्यप की फिल्म 'कैनेडी में नजर आएंगी। हाल ही में एक्ट्रेस ने इस फिल्म से जुड़े किस्से शेयर किए। साथ ही बताया कि कैसे ये फिल्म उनके करियर में बड़ा बदलाव ला सकती है। सनी ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह उन फिल्मों में से एक है, जिसके बारे में जिन भी डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स से मैं मिली, उन्होंने कहा- 'यह वही फिल्म है, जो आपकी इमेज या करियर बदल देगी। मुझे सच में लगता है कि यह फिल्म मुझे एक अलग मुकाम पर ले जा सकती है और उम्मीद है कि इसके बाद मुझे और अच्छा काम मिलेगा। उन्होंने आगे कहा, 'अनुराग सर और मैंने साथ में कई खास पल शेयर किए। हम अपने अतीत, जिंदगी के अनुभवों और अलग-अलग कहानियों के बारे में बात करते थे। मुझे महसूस हुआ कि मुझे सच में देख या सुन रहा है। मैं सुरक्षित महसूस करती थी, और उसी वजह से मैं स्क्रीन पर भी बेहतर प्रदर्शन कर पाई। सनी ने कहा, 'यह

बहुत जरूरी होता है, लेकिन बहुत कम लोग आपको ऐसा माहौल देते हैं, जहां आप सुरक्षित महसूस करें। जब आपको लगता है कि आप अच्छे हाथों में हैं, तब आप खुलकर अपना काम कर पाते हैं। अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित 'कैनेडी में सनी लियोन के साथ राहुल भट्ट प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। कई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल्स में सराहना बटोरने के बाद अब यह फिल्म भारत में 20 फरवरी को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हो रही है। इस फिल्म में सनी 'चार्ली का किरदार निभा रही हैं, जो मुख्य किरदार उदय शेट्टी की दुनिया में उलझ जाती है। उदय शेट्टी का रोल राहुल भट्ट ने निभाया है, जो फिल्म में एक पहले एक पुलिसवाला रहता है और बाद में कॉन्ट्रैक्ट किलर बन जाता है। सनी के मुताबिक, चार्ली एक रहस्यमयी, नाजुक लेकिन अंदर से मजबूत लड़की है।

ओ रोमियो के आगे भी खूब तेवर दिखा रही 'बॉर्डर 2, चौथे संडे भी करोड़ों में की कमाई

सनी देओल स्टारर 'बॉर्डर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त परफॉर्म किया है. वहीं अब शाहिद कपूर की नई रिलीज 'ओ रोमियो से मुकाबला करने के बावजूद इस फिल्म ने चौथे वीकेंड पर भई धमाल मचा दिया. यहां तक कि संडे को भारत और पाकिस्तान के मैच भी 'बॉर्डर 2 की रफ्तार को कम नहीं कर पाया. चलिए यहां जानते हैं अनुराग सिंह निर्देशित फिल्म ने रिलीज के 24वें दिन यानी चौथे संडे को कितना कलेक्शन किया है? 'बॉर्डर 2 सिनेमाघरों में 23 जनवरी को रिलीज हुई थी तब से ये फिल्म दर्शकों की फेवरेट बनी हुई है. इस दौरान मर्दानी 3 भी आई लेकिन 'बॉर्डर 2 का सिंहासन नहीं हिला पाई. वहीं अब शाहिद कपूर की ओ रोमियो भी 'बॉर्डर 2 को हिला नही पा रही है. इसी के साथ सनी देओल स्टारर वॉर ड्रामा की कमाई जारी है और इसके कुल कलेक्शन में हर दिन इजाफा होता जा रहा है. यहां तक की चौथे वीकेंड पर भी इस फिल्म ने खूब नोट छापे हैं. इसी के साथ फिल्म की कमाई की बात करें तो 'बॉर्डर 2 ने पहले हफ्ते में 224.25 करोड़ रुपये कमाए थे. वहीं दूसरे हफ्ते में फिल्म ने 70.15 करोड़ और तीसरे वीक में 23.35 करोड़ का कलेक्शन किया. इसके बाद 'बॉर्डर 2 ने 22वें दिन 80 लाख कमाए थे. लेकिन फिर 24वें दिन फिलम ने 137.50 फीसदी की तेजी दिखाई और 1.9 करोड़ कमा लिए. वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'बॉर्डर 2 ने रिलीज के 24वें दिन यानी चौथे संडे को 1.5 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ 'बॉर्डर 2 की 24 दिनों की कुल कमाई अब 322 करोड़ रुपये हो गई है. 'बॉर्डर 2 का निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है. ये फिल्म 1997 बॉर्डर की सीक्वल है और इसमें सनी देओल के अलावा वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, मोना सिंह, मेधा राणा और सोनम बाजवा सहित कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किया है. ये फिल्म गणतंत्र दिवस से पहले 23 जनवरी को सिनेमाघरों में आई थी.

आरुषि चावला द 50 से हुई बाहर, महल बना जंग का मैदान

द 50 शो इन दिनों सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा में बना हुआ है, जिसमें सभी खिलाड़ियों के बीच खतरनाक लड़ाई देखने को मिल रही है। आरुषि चावला को द 50 से एविक्शन ऑर्डर मिला। उनका नाम अनाउंस होने के बाद वह फूट-फूट कर रोने लगीं। महल से बाहर निकलते समय उन्होंने कृष्णा, ऋषि, शीनू, रिधिमा और करण से कहा कि उन्होंने उन्हें गलत समझा है। गेम के दौरान आरुषि के गेम खेलने की जमकर बुराई भी की, जब उन्होंने नेहल चुडासमा को डेंजर जोन में भेज दिया और उन पर शो में दोनों पार्टियों का साथ देने का भी आरोप लगा। उन्होंने अपना बचाव करते हुए कहा, मैं वैसी नहीं हूं, जो कुछ सोचती है कुछ बोलती है। ये एपिसोड आरुषि के कारण चर्चा में बना हुआ है। आरुषि चावला कौन हैं, जो सोशल मीडिया पर चर्चा में बनी हुई हैं। यह सवाल हर किसी के दिमाग में चल रहा है। आरुषि एक एक्ट्रेस, मॉडल और डांसर हैं। उनका जन्म 1994 में दिल्ली में हुआ था। आरुषि ने माउंट कार्मेल स्कूल से अपनी पढ़ाई पूरी की और बाद में श्री वेंकटेश्वर कॉलेज से हायर स्टडीज की, जहां उन्होंने केमिस्ट्री में बैचलर ऑफ साइंस की डिग्री हासिल की। 2017 में आरुषि डांस फैकल्टी मेंबर के तौर पर वव:र् डांस क्रू में शामिल हुईं। उसके बाद साल 2018 में उन्होंने अपना खुद का डांस स्टूडियो शुरू किया। इसके बाद उन्हें पैराशूट, हीरो बाइक, माउंटेन ब्रीज स्ट्रिप्स और पॉन्ड्स जैसे कई एडवर्टाइजमेंट ऑफर किए गए।2020 में आरुषि ने एमटीवी रोडीज रेवोल्यूशन सीजन 17 में हिस्सा लिया। हाल ही में उन्होंने मिस स्कूबा इंडिया 2025 का टाइटल जीता। वह एक फिटनेस फ्रिक भी हैं, जिन्हें डांसिंग, पिलेट्स और कई दूसरी फिजिकल एक्टिविटीज करते देखा जा सकता है। उनका पूरा इंस्टाग्राम उनकी वर्कआउट पोस्ट से भरा पड़ा है। द 50 में एक टेंशन वाला पल पूरे महल में तब झगड़े में बदल गया, जब डेंजर जोन को लेकर हुई अनबन से आरुषि और करण के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई। बहस डेंजर जोन चुनने से ठीक पहले शुरू हुई। आरुषि ने भेजे जाने के आइडिया का कड़ा विरोध किया और जोर देकर कहा कि उसे बचाने के लिए कोई अलायंस नहीं है और वह एक आसान टारगेट होगी, लेकिन करण पटेल ने उसकी बात को खारिज कर दिया और उसे नेगेटिव कहा। इस पर आरुषि ने पलटवार करते हुए कहा, तुम घमंडी हो करण पटेल। नेहल चुडासमा ने करण का बचाव करते हुए आरुषि को नार्सिसिस्टिक कहा, जबकि रिद्धि डोगरा ने उस पर दोमुंहा होने का आरोप लगाया और उसे सांप तक बोल दिया।

महिलाओं और क्वीर कहानियों को सपोर्ट करना सही लगता है : श्वेता त्रिपाठी

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने प्रोड्यूसर के रूप में महिलाओं पर आधारित और क्वीर कहानियों को सपोर्ट करने का फैसला किया है, क्योंकि उन्हें लगता है कि यह सही है और इस काम में उन्हें खास महसूस होता है। एक आर्टिस्ट के तौर पर यह उनके लिए एक बड़े मकसद का हिस्सा है। श्वेता ने हाल ही में अपनी पहली क्वीर फिल्म मुझे जान ना कहो मेरी जान को प्रोड्यूस करने की घोषणा की है। इस फिल्म में तिलोत्तमा शोम मुख्य भूमिका में हैं और यह एक क्वीर लव स्टोरी है, जो इस साल फ्लोर पर आने की उम्मीद है। फिल्म में श्वेता खुद भी अभिनय कर रही हैं। श्वेता पहले भी क्वीर प्ले कॉक को प्रोड्यूस कर चुकी हैं, जो माइक बार्टलेट की ओलिवर अवॉर्ड विनर ड्रामा है। कई शहरों में ये ड्रामा प्ले हुआ और दर्शकों से इसे शानदार रिस्पॉन्स मिला। अभिनेत्री ने बताया, मेरे लिए यह बहुत पर्सनल है। अगर हम समाज में कोई खास बदलाव देखना चाहते हैं, तो हमें खुद इसका हिस्सा बनकर शुरुआत करनी होगी। महिलाओं और क्वीर लाइफ की कहानियां हमेशा से मौजूद रही हैं, लेकिन उन्हें वह जगह और सम्मान नहीं मिला जिसके वे हकदार हैं। अब जब मुझे चुनने और कुछ बनाने का मौका मिला है, तो मुझे इसका सही इस्तेमाल करना है। वह चाहती हैं कि यह कहानी दर्शकों को जानी-पहचानी और खास लगे। उनका मानना है कि क्वीर कहानियां असरदार होने के लिए जोरदार या सनसनीखेज नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बताया, कभी-कभी ये कहानियां कोमल और रोजमर्रा की होती हैं। वे हमेशा खुद को जाहिर नहीं करतीं, लेकिन आपके साथ रहती हैं। मैं इसी तरह के काम से जुड़ना चाहती हूं। श्वेता ने आगे कहा, यह वह रास्ता लगता है जिस पर मैं चलना चाहती हूं। महिलाओं पर आधारित विषयों को सपोर्ट करना, क्वीर आवाजों को बढ़ावा देना और अपने फैसलों में ईमानदार रहना। यह सही लगता है और मेरे लिए एक आर्टिस्ट के तौर पर घर जैसा और बड़े मकसद का हिस्सा है। अभिनेत्री जल्द ही मिर्जापुर-द मूवी में नजर आएंगी, जो 4 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज होगी। फिल्म में श्वेता त्रिपाठी के साथ पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु, रसिका दुग्गल समेत पुराने और नए कलाकार शामिल हैं।

दृश्यम 3 बॉक्स ऑफिस पर लाएगी तूफान! पहले दिन ही बना सकती है ये 3 बड़े रिकॉर्ड

मोहनलाल की दृश्यम 3 का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. इस फिल्म में मीना, अंसिबा हसन और एस्थर अनिल जैसे स्टार्स भी हैं. फिल्म को लेकर काफी बज है. ये दृश्यम फ्रेंचायजी की सबसे बड़ी फिल्म होने वाली है. फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर भी खबरें हैं. फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर बेंचमार्क्स सेट करने की उम्मीदें हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, दृश्यम 3 पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर धमाका करेगी. फिल्म के ओपनिंग डे पर 3 बड़े रिकॉर्ड बनाने की खबरें हैं. बता दें कि मोहनलाल ने पिछले साल 3 बड़ी फिल्में दी थी. इनमें से दो ने दुनियाभर में 200 करोड़ क्लब में एंट्री ली थी. ऐसे में अब दृश्यम 3 को लेकर फैंस की उम्मीदें ज्यादा हो गई हैं. फिलहाल इंडिया में एल2: एम्पुरान मलयालम इंडस्ट्री की सबसे बड़ी ओपनर है. फिल्म ने 21 करोड़ की ओपनिंग की थी. अब दृश्यम 3 के इस आंकड़े को क्रॉस करने की खबरें हैं. वहीं एल2: एम्पुरान ने ओवरसीज मार्केट में धमाका कर दिया था. फिल्म ने 43 करोड़ का कलेक्शन किया था. विदेशों में, खासकर गल्फ कंट्रीज में मोहनलाल के टॉपक्लास स्टारडम की वजह से दृश्यम 3 के एल2: एम्पुरान को पीछे छोड़ने की खबरें हैं. इसी के साथ ये फिल्म मलयालम फिल्म इंडस्ट्री की सबसे बड़ी इंटरनेशनल ओपनर का रिकॉर्ड बना सकती है. वहीं एल2: एम्पुरान ने दुनियाभर में 70.14 करोड़ कमाए थे. इस फिल्म ने पहले दिन दुनियाभर में कमाई के मामले में रिकॉर्ड सेट कर दिए थे. दृश्यम 3 के इस रिकॉर्ड को भी ब्रेक करने की उम्मीदें हैं. मोहनलाल की दृश्यम 2013 में आई थी. इस फिल्म ने धमाका कर दिया था. फिल्म को बहुत पसंद किया गया था. इसके बाद 2021 में फिल्म का दूसरा पार्ट आया था. इसे भी बहुत पसंद किया गया था. फिल्म ब्लॉकबस्टर हिट हुई थी. अब दृश्यम 3 से फैंस को बहुत उम्मीदें हैं.

शाहिद कपूर ने फर्जी 2 पर दिया सबसे बड़ा अपडेट, बोले- इसके लिए बहुत उत्साहित हूं

शाहिद कपूर इस वक्त हालिया रिलीज फिल्म ओ रोमियो को लेकर चर्चाओं में घिरे हैं। यह फिल्म दर्शकों का दिल जीतने में कामयाबी हासिल कर रही है, जिसका निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया है। वहीं कई फैंस शाहिद की बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज फर्जी के दूसरे सीजन को लेकर उत्साहित दिख रहे हैं, क्योंकि अभिनेता ने कुछ दिन पहले ही सीरीज से जुड़ी आधिकारिक पोस्ट साझा की थी। अब उन्होंने खुद फर्जी 2 को लेकर सबसे बड़ा अपडेट दे डाला है। शाहिद ने पुष्टि की है कि वह बहुत जल्द फर्जी 2 की तैयारी में जुट रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं पहले ही कुछ बिल्कुल अलग तरह की भूमिका में आ चुका हूं। मैं फिलहाल कॉकटेल 2 की शूटिंग कर रहा हूं। मैंने ओ रोमियो की शूटिंग खत्म होते ही इसकी शूटिंग खत्म कर दी थी। अब जब ओ रोमियो रिलीज हो चुकी है, तो मैं फर्जी 2 की शूटिंग शुरू करूंगा, जिसके लिए बहुत उत्साहित हूं। शाहिद ने आगे कहा, मुझे अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाना पसंद है, इससे एक अभिनेता के तौर पर खुद को तरोताजा करने में मदद मिलती है। इससे पहले सीरीज के निर्देशक राज एंड डीके ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा था, दूसरा दौर शुरू हो गया है। साथ में खूब सारे नोटों की तस्वीर साझा की थी। बता दें, अमेजन प्राइम वीडियो की सीरीज फर्जी 2023 में आई थी जिसमें विजय सेतुपति, राशि खन्ना, केके मेनन जैसे सितारे थे।

स्वधर्म एंटरटेनमेंट ने नॉट ए डॉक्टर नामक दिलचस्प फिल्म की घोषणा, डरावना पोस्टर जारी

प्रोड्यूसर राहुल यादव नक्का के स्वधर्म एंटरटेनमेंट ने अपने अगले प्रोजेक्ट, नॉट ए डॉक्टर की घोषणा की है, जो टैलेंटेड डायरेक्टर श्रीकांत नागोथी और लीड एक्टर नवीन चंद्रा के साथ मिलकर किया गया है। यह रीयूनियन भानुमति एंड रामकृष्ण और मंथ ऑफ़ मधु पर उनके सफल काम के बाद हो रहा है, जो एक शानदार सिनेमाई अनुभव का वादा करता है। टाइटल पोस्टर एक मास्टरस्ट्रोक है, जिसमें जंगल के फर्श से एक बड़ा, मिट्टी से सना हुआ हाथ निकल रहा है, जो काई वाली जड़ों और ऊंचे पेड़ों से घिरा हुआ है। रहस्यमयी टैगलाइन, एक ऐसे नॉवेल पर आधारित जो कभी लिखा ही नहीं गया, भावनाओं और इंसानी सच्चाई से भरपूर एक लेयर्ड कहानी की ओर इशारा करती है। यह तस्वीर जितनी डरावनी है, उतनी ही देखने में भी आकर्षक है, जो एक रहस्यमयी और इमर्सिव कहानी का माहौल बनाती है। स्वधर्म एंटरटेनमेंट के सपोर्ट और श्रीकांत नागोथी की बारीक कहानी के साथ, नॉट ए डॉक्टर एक यादगार सिनेमैटिक एक्सपीरियंस होने का वादा करती है। नवीन चंद्रा, जो अपनी सच्ची एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं, इस रहस्यमयी कहानी में गहराई और असलियत लाने के लिए तैयार हैं।फिल्म के बारे में और अपडेट और अनाउंसमेंट जल्द ही होने की उम्मीद है। फिल्म में मिस्ट्री, ड्रामा और इंसानी इमोशन का अनोखा मेल दर्शकों को ज़रूर पसंद आएगा।

MGCUB to Hold Third Convocation on April 4

Prasoon Dutt Singh, affirmed that comprehensive arrangements have been made to ensure the ceremony is conducted with discipline, dignity, and exemplary organisation

Sagar Suraj

MOTIHARI: Mahatma Gandhi Central University(MGCU) is set to organise its Third Convocation Ceremony on April 4, 2026, in a grand and dignified manner at the Gandhi Auditorium. The Vice President of India, C. P. Radhakrishnan, will grace the occasion as the Chief Guest and confer degrees upon the graduating students. Member of Parliament and former Union Agriculture Minister Radha Mohan Singh will attend the ceremony as the Guest of Honour, adding further national significance to the event. The university campus is witnessing a wave of enthusiasm as preparations enter their final phase. Vice-Chancellor Prof. Sanjay Srivastava stated that the convocation is not merely a formal degree-awarding ceremony but a celebration of years of dedication, discipline, and academic excellence demonstrated by students. He emphasized that the university continues to move forward with a strong commitment to knowledge, innovation, and nation-building, and described the Vice President's presence as a moment of immense pride and inspiration for the institution. Chairman of the Overall Coordination Committee, Prof. Prasoon Dutt Singh, affirmed that comprehensive arrangements have been made to ensure the ceremony is conducted with discipline, dignity, and exemplary organisation. Faculty members, officers, staff, and students are working collectively to make the event memorable and historic. The university has already established a distinguished tradition of convocation ceremonies. The First Convocation was honoured by the presence of the President of India, Droupadi Murmu, marking a historic milestone for both Champaran and the institution. The Second Convocation was graced by the then Vice President, Jagdeep Dhankhar, further enhancing the university's national recognition. The Third Convocation is poised to become another golden chapter in the university's growing legacy, as degrees will be awarded to students across various disciplines, celebrating their achievements and inspiring their future contributions to society and the nation.

Vice President of India Shri C.P. Radhakrishnan

Member of Parliament Shri Radha Mohan Singh

Prof. Sanjay Srivastava, VC, MGCU

Tamil Nadu report wants governors 'defanged'

New Delhi,Agency: Tamil Nadu on Wednesday pitched for greater federalism, with the state assembly tabling the Justice Kurian Joseph Committee report on Centre-state relations that recommended diminished powers for the governor and a greater role for states in constitutional amendments.

In Part-1 of the report, which runs into 387 pages, the three-member panel said for the appointment of state governors, Article 155 of the Constitution should be amended "to bind the President to appoint one of the three names approved by a majority of the state assembly". It recommended a non-renewable five-year term for governors and proposed they be barred from holding any further constitutional office except that of the President and the vice-president.

CM MK Stalin called for constitutional amendments and structural reforms to decentralise powers and provide greater autonomy to states. "How long should we remain the receiver and the Union the provider?" he said.

Governors should not hold office in a political party or any office of the executive, legislature or judiciary in the five years preceding appointment, the report said. It also sought amendments to impose timelines for gubernatorial and presidential action on bills, with deemed assent on expiry, citing the framework laid down by Supreme Court in April 2025.

The committee recommended doing away with the governor's address at the start of an assembly session and divesting the governor of the statutory role of chancellor of state universities.

"Dissolution (of the legislative assembly) shall be ordered solely on ministerial advice," it

NDA Rajya Sabha tally set to cross 130 as 37 seats go to polls in March

New Delhi,Agency: The governing NDA is set to further strengthen its tally in the Upper House after biennial polls for 37 seats in Rajya Sabha on March 16, but the fate of prominent retiring members such as Sharad Pawar (NCP-SP), Abhishek Manu Singhvi (Congress), Ramdas Athawale (RPI-A), Tiruchi Siva (DMK) and Priyanka Chaturvedi (Sena UBT) will depend on how their respective parties coordinate with their alliance partners. BJP-led NDA's tally is expected to cross 130 with the advantage of at least four additional members in Rajya Sabha, whose current strength is 243 with one vacancy each in Jharkhand and West Bengal.

The states where seats will be vacant in April are Maharashtra (7 seats), Tamil Nadu (6), West Bengal (5), Bihar (5), Odisha (4), Assam (3), Telangana, Chhattisgarh, Haryana (2 each), and Himachal Pradesh (1).

NDA has govts in six - Maharashtra, Odisha, Bihar, Chhattisgarh, Haryana and Assam - of the 10 states where seats will be vacant due to members retiring, giving it a clear advantage. The opposition alliance has govts in Himachal

Pradesh, Tamil Nadu, Telangana and West Bengal. In Maharashtra, since the governing coalition, Mahayuti, is expected to secure six seats as against one by opposition Maha Vikas Aghadi, it's advantage NDA in the state. On the other hand, MVA will see a lot of political maneuvering as the alliance will have to choose between the candidates of Sena UBT and NCP(SP). In case NCP(SP) sticks with Pawar, it is to be seen whether NCP extends his support to him amid talks of a merger of the factions. Despite not having the numbers, NCP (SP) working president Supriya Sule didn't rule out the possibility of nominating her father, claiming that a MVA meeting would be held soon to finalise a name.

Crushed in wreck, abandoned on road Cab driver, his family battle for survival

New Delhi,Agency: Fifty-three-year-old Ajit Singh has been bedridden since Feb 3 when an SUV being driven by a minor crashed into his cab after colliding with the motorcycle of Sahil Dhaneshra (23) in Dwarka. While the young biker died instantly, Singh suffered severe head and rib injuries. "Even breathing causes me pain," he tells Media from his house in Dwarka's Ambrahi village.

Singh, who earns Rs 25,000 a month, has been driving a cab for over two decades to support his family. Out of action after the accident, he stares at an uncertain future. The family's income has shrunk to just Rs 10,000, which his 21-year-old son, Shivam, earns from his job at a private firm in Gurgaon. A third-year college student, Shivam now leaves home at dawn and returns past 11pm,

sacrificing the time he once dedicated to study for his final exams.

"The burden of the entire household now rests on my son's shoulders. I was the main earning member. My wife doesn't have a job, and my two daughters are married. For the next six months, I have been advised bed rest. I need my wife's help for even my basic needs," says Singh, hoping for monetary compensation to sustain his family for the next few months.

Singh recalls how he would often come across road accidents since he began driving in 2004. "Whenever I saw a crash, I would stop my car and pray for the victims. Gradually, I started wondering whether I should quit driving as the roads were becoming more dangerous by the day. But who knew I would be the one fighting for my life?" he says.

On Feb 3, as Singh's entire life flashed before his eyes moments after the crash, bystanders were busy recording videos. A group of college students pulled him from the wreckage and rushed him to hospital in an e-rickshaw. "If it weren't for them, I wouldn't have survived. My cab was completely crushed, and I couldn't move," he says.

"The students somehow pulled me out of the cab and tried stopping cars so that someone would take me to hospital. But the drivers slowed down, looked for a second, and sped ahead. Finally, the kids could stop an e-rickshaw. They even managed to retrieve my phone, which was damaged, from my cab," Singh says.

Up close with wild things: Nocturnal house, walk-through aviary and more

New Delhi,Agency: Delhi Zoo is set for a facelift under a Rs 400-crore modernisation plan that includes a walk-through aviary, a nocturnal house, an expanded veterinary hospital, a central plaza and an auditorium.

The zoo will also aim to curb congestion on Mathura Road.

Officials said the proposal has been cleared by a delegated investment board. A detailed project report will be prepared in three months once the funds are allocated and the project will be executed in over four years.

The modernisation of the zoo, which opened in 1959, plan aims to improve the experience of visitors as well as animals.

One of the features is the walk-through aviary, unlike the current system where birds are caged. "At present, some sections of the aviary have net viewing, which hampers clear viewing for the public. We plan to improve the aviary so that visitors can feel they are in the birds' habitat. While walking in the aviary section, people will be able to see the birds or listen to

their chirping. However, there will be barricading so that people or birds are unable to harm each other," a senior zoo official said.Similarly, glass viewing panels will be installed at animal enclosures for a clearer view. Two other additions will be a nocturnal house and CCTV cameras with AI. "Animals which are awake at night and asleep in the day, like owls, will be in the nocturnal house with minimal lighting," the official said. Though cameras were installed in the zoo over five years ago, the plan is to update them.

FIR against online platform for sale of illegal knives

New Delhi,Agency: Delhi Police has registered an FIR under the Arms Act after finding out that quick-commerce platform Blinkit has allegedly been selling illegal knives online.

The complainant in the case, a constable posted at Khyala police station in west Delhi, stated that two recent murders in the area had been committed using knives purchased through online platforms. One took place last month and another - of a 14-year-old boy - in Feb.

Following these incidents, police began scrutinising various e-commerce and quick-delivery platforms offering knives for sale and found Blinkit selling prohibited ones, an officer said.

Knives exceeding the maximum permitted blade length of 7.62 cm and width of 1.72 cm are considered illegal under the Arms Act.

As part of a verification exercise, the constable placed an order for a knife on Blinkit on Feb 13 to ascertain whether the product complied with the legal specifications, deputy commissioner of police (west) Darade Sharad Bhaskar said. The delivery address was the second floor of Khyala police station. The knife, which cost Rs 710, was delivered at 4.05 pm the same day.

"The knife was found to be 'gararidar' (can be manually opened and closed) and had a steel blade 8 cm long and 2.5 cm wide. Hence, it was illegal," the DCP said.

The tax invoice named the online platform as the seller, with an address in west Delhi's Tihar village. Based on these findings, a case under Sections 25, 54 and 59 of the Arms Act was registered.

Following further investigations, 16 illegal knives were seized from various dark stores and outlets linked to Blinkit across Delhi on Feb 15. Police teams continued their raids the following day and recovered 32 more such knives from a warehouse of the platform located in Gugaon's Farrukhnagar.

Why Traffic Cops Have Their Hands Full

New Delhi,Agency: With several heads of states descending on the capital for the AI summit, traffic management across central Delhi switched into a high-security mode on Wednesday. Given the sheer scale and sensitivity of VVIP movement and the fact it was a weekday, traffic crawled its way on several stretches, past barricades and intersections that were tightly controlled by police.

The first wave of VVIP movements began in the morning with the arrival of delegates for the summit and continued through the afternoon. Every arrival impacted the stretches around the airport as the convoys headed to hotels like The Oberoi, The Claridges, Le Meridien, The Imperial, Leela Palace, Taj

Palace, Hyatt Regency and The Ashok. National Traffic on National Highway-8 and Dhaula Kuan were severely impacted.

A commuter wrote on social media, "There's heavy traffic towards Terminal 1. Please advise Delhi Traffic Police to deploy (more personnel)." Another posted, "International travel now feels faster than reaching home from the airport. Delhi traffic tests patience more than immigration queues."

While the strictest traffic restrictions were expected later in the day, especially near 6 pm when the delegates were to move to Bharat Mandapam, the venue of the summit, their individual schedules affected traffic earlier as multiple convoys moved to Hyderabad House, AIIMS and other public locations, depending on bilateral meetings and other engagements of the VVIPs. Till 4 pm, at least 40 such 'movement cycles' had already taken place, according to a source.

Anjali, a commuter, said it was ironic that while the summit promises to simplify life through technology, traffic chaos made movement across central Delhi difficult. Approaching Bharat Mandapam via Mathura Road or nearby arteries felt daunting, she said. Anjali left GK-II at 3.40 pm for a meeting near Parliament, but her route kept on changing as the traffic situation worsened near Lajpat Nagar. "Diversions via Ring Road, South Extension, Defence Colony and Golf Links all led to more snarls," she said. Running extremely late, she finally had to cancel the meeting and reached her ITO office at 5 pm.

There were multiple reports of prolonged checks on roads near central Delhi hotel zones and heavy security build-up around India Gate, which also slowed down traffic. Congestion was reported across multiple stretches through the day, including Teen Murti Chowk, the Barapullah Road stretch, Sardar Patel Marg, Ring Road (AIIMS-sensitive stretch), South Extension corridor, Mathura Road, Pragati Maidan Tunnel, C-Hexagon, Connaught Place outer circle, Mother Teresa Crescent, Dhaula Kuan, NH-8 Delhi-Gurgaon stretch, and Golf Links, New Delhi. Officials from Delhi Traffic Police said simultaneously managing multiple high-security delegations across different routes is a complex and real-time operation, especially on a weekday.